सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 37 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 20 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अयोध्याः प्राण प्रतिष्ठा का समय हुआ घोषित, 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर बीस मिनट पर होगा आयोजन

अयोध्या (एजेंसी)। 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त मृगषिरा नक्षत्र में दोपहर 12:20 बजे पीएम नरेंद्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। इस समारोह को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने के लिए साकेत निलयम में रविवार को संघ परिवार की बैठक हुई। इसमें समारोह के अभियान को चार चरणों में बांटकर तैयारियों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसका पहला चरण रविवार से शुरू हुआ जो 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें समारोह की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके लिए छोटी-छोटी संचालन समिति बनाई जाएंगी। जिला व खंड स्तर पर 10-10 लोगों की टोली बनाने पर सहमति बनी है।

टोली में मंदिर आंदोलन के कारसेवकों को भी शामिल किया जाएगा। टोलियां 250 स्थानों पर बैठकें कर समारोह से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की अपील करेंगी। दूसरा चरण एक जनवरी से शुरू होगा। इसमें घर-घर संपर्क योजना के तहत 10 करोड़ परिवारों में पूजित अक्षत, रामलला के विग्रह का चित्र व एक पत्रक दिया जाएगा।

इसके जरिये लोगों से समारोह के दिन दीपोत्सव मनाने की अपील की जाएगी। 22 जनवरी को तीसरे चरण में रखा गया है। उस दिन पूरे देश में उत्सव हो व घर-घर अनुष्ठान हों, ऐसा माहौल बनाया जाएगा। चौथे चरण में देशभर के भक्तों को रामलला के दर्शन कराने की योजना है। यह चरण गणतंत्र दिवस से शुरू होकर 22 फरवरी तक चलेगा। यह अभियान प्रांतवार चलाया जाएगा। अवध प्रांत के कार्यकर्ताओं को 31 जनवरी व 01 फरवरी को दर्शन कराने पर योजना है।

बिजली के तार पर पड़ा महिला का पैर, मां-बेटी की जलकर दर्दनाक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बंगलूरू में एक महिला और उसकी नौ महीने की बेटी की बिजली का करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल महिला अपने बेटी को लेकर बंगलूरू के होप फार्म इलाके में फुटपाथ से गुजर रही थी। इस दौरान एक बिजली का तार वहां पड़ा हुआ था, महिला ने गलती से उस पर पैर रख दिया। जिससे महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई।

पीड़िता की पहचान सौंदर्यानंद और उसकी बेटी सुविक्षा के रूप में हुई है। महिला अपने पति के साथ तमिलनाडु से बंगलूरू पहुंची थी और अपने घर लौटते समय सुबह छह बजे यह घटना घट गई। घटनास्थल पर महिला का बैग और अन्य सामान भी बिखरा पड़ा था। पुलिस ने बताया कि करंट लगने से महिला और उसकी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई और उनमें आग लग गई। महिला के पति ने दोनों को बचाने की काफी कोशिश की लेकिन वह कुछ नहीं कर सका। घटना की सूचना पाकर काडुगोडी पुलिस थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

बिजली का तार बंगलूरू इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेसकोम) का था। घटना के बाद पुलिस ने बेसकोम के तीन कर्मचारियों से घटना के बारे में पूछताछ भी की है। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही लापरवाही बरतने के आरोप में एक लाइनमैन, असिस्टेंट इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही पीड़ित के परिजनों को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक संदेश में केजे जॉर्ज ने घटना पर दुख जताया।

सीजी चुनाव 2023 : नगद योजनाओं ने लुभाया महिलाओं ने की पुरुषों से ज्यादा वोटिंग

50 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में किया ज्यादा मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में नगद देने की घोषणाओं ने महिला वोटर्स को काफी लुभाया है। इसका नतीजा यह रहा कि छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया। 7 और 17 नवंबर को हुए दो चरणों में मतदान के आंकड़ों के अनुसार, मतदान में कुल एक करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल रहीं। वैसे भी छत्तीसगढ़ में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है।

दो चरणों में मतदान पूरा होने के बाद सामने आए आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि अपने मताधिकार का प्रयोग करने में महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता पुरुषों से कम नहीं है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से

50 विधानसभा क्षेत्रों मे अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिलाओं की संख्या अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले पुरुषों की संख्या से कहीं अधिक है। इस चुनाव में करीब 59 फीसदी सीटों पर महिला वोटर्स का वर्चस्व रहा। 53 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। इनमें 23 आदिवासी के लिए रिजर्व सीटें हैं, जबकि 2 एससी वर्ग के लिए रिजर्व हैं। शेष 28 सीटें सामान्य वर्ग की हैं। बस्तर में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत अधिक रहता है जबकि मैदानी इलाकों में महिलाएं अपेक्षाकृत कम मतदान करती हैं।

नगद योजनाओं के प्रति दिखा आकर्षण

बता दें छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा व कांग्रेस ने महिलाओं को हर साल नगदी देने का ऐलान किया है। भाजपा ने जहां एक साल में 12 हजार रुपए देने का वादा किया तो वहीं कांग्रेस ने सभी गृहणियों को सालाना 15000 रुपए सीधे उनके खातों में ट्रांसफर करने का वादा किया है। दोनों पार्टियों की इस घोषणा ने महिलाओं को लुभाया है और इसी का नतीजा माना जा रहा है कि इस बार वोट देने वालों में महिलाओं की संख्या अत्याधिक है।

इन विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने की ज्यादा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतपुर-सोनहत, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, पालीतानाखार, जैजैपुर, मरवाही, सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ, राजिम, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डोंडीलोहारा, गुंडरदेही, संजारी-बालोद, धमतरी, दुर्ग शहर, पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, मोहलामानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट,दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में आकर वोट डालने वाले महिला मतदाताओं की संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

राज्यपाल के खिलाफ याचिका पर कोर्ट ने मांगा जवाब, केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार की याचिका पर केंद्र सरकार और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि याचिका में केरल सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ आरोप लगाया है कि वह राज्य विधानसभा चुनाव द्वारा पास कई विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ वकील केके वेणुगोपाल के सबमिशन पर यह नोटिस जारी किया है। सबमिशन में केके वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि राज्यपाल राज्य विधानसभा द्वारा पारित आठ विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी को नोटिस जारी कर पूछा है कि या तो वह या फिर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुनवाई में शामिल हों। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर शुक्रवार को अगली सुनवाई करेगा।

तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई एक दिसंबर तक टली

केके वेणुगोपाल ने कहा कि यह एक स्थैतिक स्थिति है। राज्यपाल यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वह संविधान के अनुच्छेद 168 के अनुसार विधायिका का हिस्सा हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि कुछ विधेयक बीते सात से 21 महीनों से लंबित पड़े हैं। अपनी याचिका में केरल सरकार ने दावा किया है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आठ विधेयकों को मंजूरी देने में देरी कर रहे हैं। तमिलनाडु सरकार ने भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसी ही याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की हुई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई एक दिसंबर तक टाल दी है।

बंदरगाह में लगी भीषण आग से 30 से ज्यादा नाव जलकर खाक, पुलिस ने शुरू की जांच

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्थित एक बंदरगाह में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। यह आग कितनी घातक थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आग की चपेट में आकर पानी में खड़ी 30 से ज्यादा नावें पूरी तरह खाक हो गईं। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह आग देर रात ही लगी थी और पुलिस-दमकल की टीम मौके पर ही पहुंच गई थीं। आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस मामले में एक केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रिपोर्ट्स की मानें तो जितनी नावें जली हैं, उनमें से कई की कीमत करोड़ों में थी। विशाखापत्तनम के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर रवि शंकर ने बताया कि सबसे पहले जिस शिप में आग लगी, वहां कुछ बच्चे देर रात मौजूद थे। शायद वे पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान कुछ नाविक आ गए और शिप के लंगर को हटाकर उसे समुद्र में ही जाने दिया। हालांकि, शिप के टैंक में डीजल भरा था और गैस सिलेंडर रखे थे। इसलिए इस शिप की आग और भड़क उठी और यह दूसरी बोट्स की तरफ बढ़ गया।

पुलिस के मुताबिक, शिप की वजह से एक के बाद एक कई बोट खाक हो गईं। आखिर में नौसेना की सहारा शिप ने आकर राहत कार्यों को आगे बढ़ाया और आग पर नियंत्रण पाने में मदद की। उनकी वजह से हम आखिरकार आग बुझाने में सफल हुए। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। सिर्फ कुछ शिप्स को नुकसान पहुंचा है।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या, घर के पास खड़ा था युवक तभी हुआ हमला, दो संदेही हिरासत में, मुख्य आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के दुर्गा मंदिर क्षेत्र में बीती रात युवक की हत्या हो गई। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। रविवार रात को युवक अपने घर के पास खड़ा था इस दौरान आरोपी अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और कटर से गला रेत कर फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद खुर्सीपार पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा और देर रात तक दो संदेहियों को हिरासत में ले लिया है। वहीं मुख्य आरोपी फरार है।

खुर्सीपार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुर्गा मंदिर वार्ड निवासी विजय पासवान अपने बड़े भाई प्रकाश पासवान के साथ ठेका मजदूरी करता था। उसके के घर के पास ही भूषण साहू नाम का युवक भी रहता है। भूषण नशे का आदी है और अपराधी किस्म का बताया जा रहा है। भूषण व विजय के बीच पुरानी रंजिश है। दो तीन साल पहले विजय की शिकायत पर भूषण के खिलाफ अपराध दर्ज हुआ था और तभी से वह बदल लेने का प्लान कर रहा था।

इस बीच रविवार रात 9 बजे के करीब उसने विजय पासवान कबीर मंदिर के पास अपने दोस्त के साथ बातचीत कर रहा था। इस दौरान भूषण साहू पहुंचा और कटर से उसका गला रेत दिया। गला कटने से विजय लहू लुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद उसके परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर इस घटना की सूचना के बाद खुर्सीपार पुलिस ने आरोपी भूषण साहू की तलाश शुरू कर दी। भूषण साहू तो नहीं मिला लेकिन इस घटना के दौरान मौजूद दो संदेहियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। संदेहियों से पूछताछ की जा रही है।

विश्वकप-2023 से मिले जीवन के सबक

श्रीकंचपनथ

एक दिवसीय विश्वकप में भारत ने अपने सभी लीग और नॉकआउट मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफायनल में टीम ने बेतरीन प्रदर्शन किया। न केवल बल्लेबाजों ने रिकार्ड बनाए और तोड़े बल्कि गेंदबाजी में भी रिकार्ड कायम किये गये। ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया की जो नौ टीमें विश्व कप खेलने भारत आई थीं उन सभी को भारत ने हराया दिया था। न्यूजीलैंड को सेमी फाइनल में हरा कर परफेक्ट टेन स्कोर के साथ भारत ने फाइनल में प्रवेश किया था। जिस ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारत ने छह विकेट से हराया था उसी ने छह विकेट से भारत को फायनल में हरा कर छठी बार विश्व कप जीत लिया। खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता है। यदि दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया हो तो ताली दोनों के लिए बजती है। पर खेल भी जीवन के कई सबक दे जाता है। पहला सबक यह कि 50 ओवर की इस पारी में भारत जल्दबाजी में दिखाई दिया। आस्ट्रेलिया के पास भी खेलने के लिए वही 50 ओवर थे पर उसने खेल को इसी हिसाब से खेला और आराम से खेलते हुए लक्ष्य भेद गये। दूसरे भारत स्टार बल्लेबाजों और गेंदबाजों वाली भाषा समझता है। आज भी हमने पूरी टीम की कीमत को हाशिए पर ही रखा है। इसी साल जून में एडिलेड में खेले गए विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप के फायनल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से भिड़ चुकी थी। उसे तभी यह सबक मिल गया था कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों के आगे बाएं हाथ के स्पिनर बेअसर साबित होते हैं। इससे सबक लिया होता तो महज छह माह बाद खेले गए इस एक दिवसीय विश्व कप में अश्विन भारतीय टीम का हिस्सा होते। ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में भी ट्रेविस हेड ने शानदार योगदान किया था। 163 रन की पारी खेलकर वे मैन ऑफ द मैच बने थे। तब टीम इंडिया को अश्विन की कमी खली थी। इस मैच में भी हेड ने 120 गेंदों से 137 रन निकाल लिया। इसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। उन्हें रोकने के लिए कोई अश्विन टीम में नहीं था। वास्तविक जीवन में भी इस तरह की गलतियां होती हैं। जब जीत पक्की करनी हो तो एक-एक रन, एक-एक बाउंड्री और एक-एक बॉल को पूरी शिद्दत से खेलना होता है। बल्लेबाज पर्याप्त ओवर खेलने पर फोकस करें तो पर्याप्त रन निकल ही आते हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों में इस सबक को याद रखना चाहिए। कोई भी कमतर या बेहतर नहीं होता। वक्त आने पर सभी अपना-अपना काम अच्छे से करें तो चुनौतियों को मात दी जा सकती है। बचपन में जब भी हम पिकनिक पर जाते, बाबूजी 'कोंदा' को साथ में रखते। हम उसका असली नाम तक भूल चुके थे। वह समझता-बूझता कम था पर उसमें बैल की तरह खटने की शक्ति थी। आज जब कोंदा हमारे बीच नहीं है तो चक्के वाले बैग भी हमें भारी पड़ते हैं।

संपादकीय

युद्ध और विज्ञान

इजरायल, गाजा और वेस्ट बैंक में लोग जब खतरे के साये में जी रहे हैं, तब वहां पढ़ाई-लिखाई से लेकर वैज्ञानिक शोध तक, सब कुछ बाधित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ के अनुसार, 15 नवंबर तक गाजा पर इजरायल की बमबारी और उसके बाद के जमीनी लड़ाई में मरने वालों की संख्या 11,000 से अधिक हो गई है, जिसमें 4,500 से अधिक बच्चे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि 16 लाख से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। सबसे दुखद और अमानवीय बात यह है कि गाजा के 36 में से 22 अस्पतालों में सेवाएं बंद हो गई हैं। बचे हुए अस्पताल, उनके डॉक्टर और अन्य चिकित्साकर्मी भी मौत के साये में जीने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के साथ ही तमाम तरह के शोधकर्ता और वैज्ञानिक काम छोड़कर बैठ गए हैं। वेस्ट बैंक ही नहीं, इजरायल में भी प्रयोगशालाएं खाली पड़ी हैं और अधिकांश शैक्षणिक कार्य थम गए हैं या धीमे हो गए हैं। कई वैज्ञानिकों को सेना में सेवा के लिए बुला लिया गया है। नेचर पत्रिका के अनुसार, गाजा के छह मुख्य विश्वविद्यालयों में से पांच की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी में छात्रों, संकाय सदस्यों और उनके रिश्तेदारों सहित 84 लोगों की मौत हो चुकी है। पांच अन्य का अपहरण कर लिया गया और नौ घायल हुए हैं। उधर, यूक्रेन में युद्ध का असर है, तो वहां से इजरायल आए भौतिक विज्ञानी सर्गेई ग्रेडेस्कुल और उनकी पत्नी विक्टोरिया भी मारे गए लोगों में शामिल हैं। एक महान भौतिक विज्ञानी होने के अलावा सर्गेई एक संगीतकार, कहानीकार और फिजिक्स के इतिहासकार भी थे। इनके निधन से वैज्ञानिक जगत में दुख से ज्यादा चिंता है। एक वैज्ञानिक जब अपने शोध के बीच में ही मार दिया जाता है, तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण कुछ हो नहीं सकता। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में ज्यादातर आधुनिक चीजों के आविष्कार में यहूदियों का हाथ रहा है और यहूदियों को उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। ऐसे में, अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों व प्रयोगशालाओं का युद्ध या हमले की चपेट में आना रुला देता है। बड़ी संख्या में होनहार वैज्ञानिकों का जीवन थम गया है या हमेशा के लिए प्रभावित हो गया है। बार-इलान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एरी जबान का कहना है कि परिसर खाली हो चुका है, क्योंकि शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत स्थगित कर दी गई है और कई पीएचडी छात्रों, शोधकर्ताओं को सेना में शामिल कर लिया गया है। वैज्ञानिक समाज बुरी तरह से हिल चुका है, इसका एहसास इजरायल सरकार को भी है, तो अनेक जगह विद्वानों की भावनात्मक मदद के लिए हेल्पलाइन की शुरुआत की गई है। यह सुखद बात है कि इजरायली विश्वविद्यालय भी अरब छात्रों को लेकर संवेदनशील हैं। ज्यादातर विश्वविद्यालय कोशिश में लगे हैं कि कम से कम शिक्षा बिरादरी के बीच नफरत न फैले। हालांकि, जो इजरायल अपने यहां छात्रों को लेकर चिंतित है, उसे गाजा के छात्रों की ज्यादा परवाह नहीं है। गाजा में तमाम परिसर बंद पड़े हैं, क्योंकि ये सभी उन इलाकों में स्थित हैं, जिसे खाली करने का आदेश इजरायल ने सुनाया है। गाजा की चिंताओं पर इजरायल अभी कोई चर्चा नहीं करना चाहता। हालांकि, इजरायल का सामान्य वैज्ञानिक विकास भी गाजा में शांति पर ही निर्भर करता है। क्या ऐसे युद्ध से हो रहे नुकसान का इजरायल जायजा लेगा और जल्द से जल्द युद्ध खत्म करेगा?

> हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में ज्यादातर आधुनिक चीजों के आविष्कार में यहूदियों का हाथ रहा है और यहूदियों को उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। ऐसे में, अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों व प्रयोगशालाओं का युद्ध या हमले की चपेट में आना रुला देता है।

दो समझौतों से उम्मीद

अगले 30 नवंबर से दुबई में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन से ठीक पहले दो समझौतों से उम्मीद बंधी है कि ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने की दिशा में अब कुछ प्रगति हो सकेगी। इनमें एक समझौता अमेरिका और चीन के बीच हुआ है, जो दुनिया में कार्बन गैसों के सबसे बड़े दो उत्सर्जक हैं। दूसरा समझौता यूरोपियन यूनियन (ईयू) में शामिल देशों के बीच हुआ है। अमेरिका और चीन राजी हुए हैं कि वे मिल कर ग्लोबल वॉर्मिंग का मुकाबला करेंगे। दोनों देश एक साझा कार्यदल बनाएंगे। यह कार्यदल ऊर्जा संक्रमण, मीथेन उत्सर्जन, निम्न उत्सर्जन वाले विकास कार्यक्रमों पर अमल, जंगलों की कटाई रोकने आदि जैसी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। उधर ईयू में हुए समझौते के तहत इसमें शामिल देश जीवाश्म ईंधन के उद्योगों में मीथेन गैस के उत्सर्जन की निगरानी करने और इसका रिसाव रोकने के नए कदम उठाएंगे। लेकिन गौरतलब है कि यह अभी एक प्रोविजनल संधि है। इसे तभी कानूनी दर्जा मिलेगा, जब समझौते में शामिल सभी देश इसका अनुमोदन कर देंगे। ईयू भी एक बड़ा उत्सर्जक है।

दो साल पहले तक जलवायु परिवर्तन रोकने की दिशा में सबसे प्रभावी कदम ईयू में उठाए गए थे। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इन देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाया, जिससे वहां प्राकृतिक गैस की किल्लत हो गई। नतीजतन, ईयू के सदस्य कई देश जीवाश्म ऊर्जा को फिर से अपनाने लगे। उधर अमेरिका में तो कभी भी उत्सर्जन रोकने के कदम गंभीरता से नहीं उठाए गए। अब दुबई में होने वाली कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) से ठीक पहले इन देशों का फिर से उत्सर्जन रोकने का इरादा जताना सकारात्मक दिशा में है। बहरहाल, चूंकि अतीत में ऐसे समझौतों पर अमल का रिकॉर्ड बेहतर नहीं है, इसलिए ताजा समझौतों से क्या हासिल होगा, इसको लेकर संदेह बना रहेगा। अतीत में बड़े देशों ने जलवायु परिवर्तन की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी बहुत भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब वर्तमान पीढी को अपने जीवनकाल में ही देखने और भुगतने पड़ रहे हैं। क्या अब दुनिया इस मसले को गंभीरता से लेगी?

दिल्ली में सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप

दिल्ली की हवा और पानी दोनों बहुत गंदे हो गए हैं। छठ करने वाले लोगों के लिए जो घाट बनाए गए हैं उसके आसपास केमिकल डाल कर सफाई की जा रही है वरना उससे पहले वहां पानी में खड़े होने की स्थिति नहीं थी। पूरी यमुना झाग से भरी हुई थी। यही हाल हवा का है। वायु गुणवत्ता सूचकांक नवंबर के महीने में आठ दिन से ज्यादा गंभीर श्रेणी में जा चुकी है। यह स्थिति तब है जब बारिश की वजह से कई दिन तक हवा की गुणवत्ता अच्छी रही। सो, हवा और पानी की इतनी खराब स्थिति के बावजूद दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप ही लगा रहे हैं। कोई जिम्मेदारी लेकर इसे ठीक नहीं कर रही है।

यमुना में पानी के प्रदूषण को लेकर राज्य की मंत्री आतिशी ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि अभी छठ के लिए तो हम साफ करा दे रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार को भी गंदा पानी यमुना में नहीं छोड़ना चाहिए। उनके इस बयान के बाद बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश से यमुना का पानी दिल्ली आता ही नहीं है। दिल्ली में यमुना का पानी हरियाणा से आता है। जिस कालिंदी कुंज बराज से पानी दिल्ली आने की बात उन्होंने कही वहां से भी पानी नहीं आता है। इसी तरह से हवा की गुणवत्ता खराब होती है तो पहले आप के नेता पंजाब पर ठीकरा फोड़ते थे और जब से पंजाब में अपनी सरकार बन गई है तब से हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। दूसरी ओर उप राज्यपाल, जो दिल्ली सरकार के वास्तविक प्रमुख हैं वे वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट के लिए पंजाब और दिल्ली सरकार को दोष दे रहे हैं। उनको हरियाणा या उत्तर प्रदेश नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि पंजाब में पराली जलाने और दिल्ली सरकार द्वारा उपाय नहीं करने की वजह से दिल्ली की हवा खराब हुई।

> ठीक इसी समय 1983 की विश्व कप क्रिकेट की जीत ने देश को अचानक ही वह गौरव-बोध दिया, जो इसके पहले तक अनुपस्थित था। क्रिकेट में विश्व विजेता बनने की वह उपलब्धि जितनी बड़ी थी, उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव उससे कहीं बड़ा था और दीर्घजीवी भी। कभी भारतीय हॉकी टीम का लोहा पूरी दुनिया मानती थी। लगातार कई ओलंपिक में हॉकी का स्वर्ण पदक भारत को ही मिला।

एक तारीख जिसने भारत को बदल दिया

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

कुछ बड़ी घटनाएं अपने आप को सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रखतीं, वे भविष्य का रास्ता भी तैयार करती हैं। उनकी गूंज दशकों और कई बार तो सदियों तक सुनाई देती है। 25 जून,1983 को जब भारतीय क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स के मैदान में विश्व कप के फाइनल में वेस्टइंडीज को हराया, तब इसे महज खेल जगत की एक अभूतपूर्व उपलब्धि भर माना जा रहा था। अगले दिन ब्रिटिश अखबारों ने लिखा था कि भारत ने क्रिकेट के समीकरण को बदल दिया है। तब किसने सोचा था कि कपिल देव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम को जो जीत मिली है, वह अगले कुछ साल में भारत को ही पूरी तरह बदल देगी?

इतिहास में अक्सर घटनाओं के मुकाबले उनके घटित होने का समय ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम को यह जीत जिस समय मिली, वह आधुनिक भारतीय इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दशक है। खासकर जब हम इसे अर्थव्यवस्था की यात्रा के नजरिये से देखते हैं। यह वह समय था, जब भारतीय मध्यवर्ग एक नए आत्मविश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था। आर्थिक उदारीकरण की तूफानी रफ्तार भले ही बहुत बाद में आई हो, पर उसकी शुरुआती बयार इसी दशक में बहनी शुरू हुई थी।

ठीक एक साल पहले दिल्ली में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था। इसके साथ ही देश में टेलीविजन के रंगीन प्रसारण की भी शुरुआत हुई थी। बाद के लंबे समय तक रंगीन टेलीविजन सेट भारतीयों के लिए एक सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे बड़ा सपना बना रहा। अपनी काली-सफेद आभा से लुभाने वाले विज्ञापन जब रंगीन होकर लोगों को रिझाने के लिए घर-घर में घुसे, तो देशवासियों की दुनिया बदलने लग गई। कई अर्थशास्त्री रंगीन टेलीविजन के आगमन को देश के उपभोक्तावाद की शुरुआत भी मानते हैं।

राजनीतिक रूप से भी यह ऐसा समय था, जब भारतीय समाज ने समाजवाद की सोच को नमस्कार कहना शुरू कर दिया था और समृद्धि के सपनों की जमीन नया विस्तार पाने लगी थी। जिसे हम भारत की आईटी क्रांति के नाम से जानते हैं, उसकी नींव भी इसी दशक में रखी गई थी। इनफोसिस की स्थापना 1980 में हुई थी। देश के लगातार बढ़ते मध्यवर्ग को जब दुनिया के सबसे बड़े बाजार के रूप में देखा जाने लगा, तब इस वर्ग को भी अपने महत्व का एहसास हुआ। गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएं बनी हुई थीं, लेकिन मध्यवर्ग भविष्य को लेकर ज्यादा आश्वस्त दिख रहा था।

ठीक इसी समय 1983 की विश्व कप क्रिकेट की जीत ने देश को अचानक ही वह गौरव-बोध दिया, जो इसके पहले तक अनुपस्थित था। क्रिकेट में विश्व विजेता बनने की वह उपलब्धि जितनी बड़ी थी, उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव उससे कहीं बड़ा था और दीर्घजीवी भी। कभी भारतीय हॉकी टीम का लोहा पूरी दुनिया मानती थी। लगातार कई ओलंपिक में हॉकी का स्वर्ण पदक भारत को ही मिला, पर एस्ट्रोटर्फ के आगमन से भारत और पाकिस्तान जैसे परंपरागत हॉकी खेलने वाले देश काफी पिछड़ गए। खेलों की लोकप्रियता का ग्राफ हॉकी से हटकर क्रिकेट की ओर बढ़ने लगा था। हॉकी वैसे भी ओलंपिक या वैसी ही उन प्रतिस्पर्द्धाओं का खेल था, जिनमें पेशेवर खिलाड़ियों से परहेज किया जाता है। मगर क्रिकेट के साथ ऐसी कोई सोच नहीं जुड़ी थी।

इसी समय देश के मध्यवर्ग ने क्रिकेट को एक पेशेवर विकल्प के रूप में देखना शुरू किया। मध्यवर्ग और निम्न मध्यवर्ग से जितने खिलाड़ी इस दौर में आए, उतने पहले कभी नहीं आए थे। नए खिलाड़ी आगे आ सकें, इसके लिए बेंगलुरू में एक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी बनी। कई क्षेत्रीय क्रिकेट अकादमियां भी शुरू हुईं। छोटे शहरों और कस्बों तक में क्रिकेट की कोचिंग शुरू हो गई। क्रिकेट अब एक मान्य करियर बन चुका था, जिसका अपना कारोबार भी था। जगह-जगह प्रतिभाओं के नए अंकुर भी फूटे, जिनका कमाल हम इन दिनों देख ही रहे हैं।

यही वह जगह थी, जहां से भारत का बाजार, मध्यवर्ग और क्रिकेट हमसफर बन गए। अक्सर यह कहा जाता है कि भारत में क्रिकेट इसलिए ज्यादा लोकप्रिय हो गया, क्योंकि इसे बाजार ने बढ़ावा दिया, मगर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि बाजार को सबसे बड़ा संबल क्रिकेट से ही मिला। क्रिकेट की लोकप्रियता के कंधों पर चढ़कर बाजार ने जो कामयाबी हासिल की, वैसी उसे इससे पहले कभी नहीं मिली थी। इस दौर में जितनी लोकप्रियता क्रिकेट खिलाड़ियों को मिली, उतनी किसी दूसरे खेल के खिलाड़ी को नहीं मिली। कुछ मामलों में तो वे फिल्मी सितारों को भी मात करने लगे। क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में ही नहीं, विज्ञापनों में भी चमकने लग गए। विज्ञापन से कमाई के मामले में सचिन तेंदुलकर ने तो एक दौर में सदी के महानायक तक को पीछे धकेल दिया था। यह भी कहा जाता है कि नए रूप में क्रिकेट मनोरंजन का सबसे बड़ा विकल्प बनता जा रहा है।

क्रिकेट में बाजार का निवेश लगातार बढ़ता जा रहा है। हर साल आईपीएल में हम इसे सबसे अच्छी तरह देख सकते हैं। खिलाड़ियों की नीलामी होती है, तो नए-नए खिलाड़ी भी रातोंरात करोड़पति हो जाते हैं। इसके पहले कि आईपीएल की पहली गेंद फेंकी जाए, हजारों करोड़ रुपये का कारोबार हो जाता है। यही इस बार के विश्व कप में भी हुआ है। आईपीएल में प्रसारण अधिकार और स्पॉन्सरशिप से लेकर विज्ञापनों तक अथाह कमाई होती है। यूरोपीय फुटबॉल लीग के बाद आईपीएल दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई वाली लीग बन गई है। यहां तक कि उसने अमेरिका की बास्केट बॉल लीग को भी काफी पीछे छोड़ दिया है।

इसी कमाई के चलते भारतीय क्रिकेट में इतना पैसा आ गया कि दुनिया की हर टीम भारत के साथ खेलने के लिए बेताब दिखने लगी। देश का क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड बन गया। हालांकि, ये आरोप भी आए कि भारतीय बोर्ड पैसे के दम पर अपनी मनमानी थोपने की कोशिश करता है।

सच जो भी हो, मगर आज भारत और उसका क्रिकेट जहां पर हैं, उसकी यात्रा 25 जून, 1983 को लॉर्ड्स के मैदान से शुरू हुई थी। उसके आगे भी भारत ने विश्व कप जीता, टी-20 का विश्व कप भी जीता, भारतीय खिलाड़ियों ने कई और बड़ी जीत भी दर्ज कराई, लेकिन सन् 1983 की जीत का अर्थ ही अलग है। उस जीत ने भारतीय क्रिकेट को ही नहीं, बल्कि भारत को भी पूरी तरह बदल दिया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऋषि सुनक की सियासी राह में गहराती मुश्किलें

हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने और उनके ब्रिटेन लौटने पर पाबंदी लगाने की उनकी विवादास्पद योजना को देश की शीर्ष अदालत ने गैर-कानूनी करार दिया गया है। अब सुनक ने घोषणा की है कि वह रवांडा के साथ एक औपचारिक संधि करने को तैयार हैं और इस योजना को पुनर्जीवित करने के लिए 'अपने घरेलू कानूनी ढांचे पर नए सिरे से विचार करेंगे।' लेकिन इन सबका औचित्य लोगों को समझ में नहीं आ रहा।

बीते हफ्ते की शुरुआत में प्रधानमंत्री सुनक द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल से ब्रिटेन की राजनीति में फिर एक नया मोड़ आया है। सुएला ब्रेवरमैन को गृह मंत्री के पद से बर्खास्त करने और पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन को विदेश मंत्री बनाए जाने को एक नाकाम नेता के हताश दांव के रूप में देखा जा सकता है, जिसके जरिये सुनक पार्टी के भीतर और बाहर अपना नेतृत्व बनाए रखना चाहते हैं। साथ ही, इसे अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले मुकाबले के लिए तैयार होने की एक नाटकीय पहल के रूप में भी देखा जा सकता है। आप इसे जिस भी तरीके से देखें, सुनक सुर्खियों में हैं, क्योंकि वह अपने निर्णयों के नतीजों की चपेट में हैं। पूर्व गृह मंत्री ब्रेवरमैन ने तो बाकायदा पत्र लिखकर सुनक पर 'इंग्लिश चैनल' को पार करके ब्रिटिश सीमा में आने वाली छोटी नौकाओं को रोकने के लिए हर मुमकिन कदम उठाने के अपने वादे से मुकरने काआरोप लगाया है। प्रधानमंत्री पर सार्वजनिक रूप से निशाना साधते हुए ब्रेवरमैन ने लिखा है, 'आपको ईमानदार होने की जरूरत है: आपकी योजना काम नहीं कर रही है। हमने रिकॉर्ड चुनावी हार का सामना किया है...और हमारे पास समय खत्म हो रहा है। आपको तत्काल अपनी विषय-वस्तु बदलने की जरूरत है।'

ब्रेवरमैन हमेशा से ही एक विवादित नेता रही हैं और बीते कुछ वर्षों में कंजरवेटिव पार्टी में उन्होंने अपने को एक मुखर दक्षिणपंथी आवाज के रूप में स्थापित किया है। लिज ट्रस सरकार में भी गोपनीय दस्तावेज साझा करने की गलती मानने के बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इस बार भी प्रधानमंत्री सुनक की हिदायतों को दरगुजर करते हुए ब्रेवरमैन ने मेट्रोपॉलिटन पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप जड़ दिया। सुनक को लगा कि उनके नेतृत्व को चुनौती दी जा रही है, लिहाजा उन्होंने उनसे छुटकारा पाने में ही भलाई समझी। लेकिन ब्रेवरमैन शांत नहीं बैठने वालीं। वह सुनक के लिए शूल बनी रहेंगी। ब्रेवरमैन को हटाने और कैमरन को लाने से ऐसा प्रतीत होता है कि सुनक मानते हैं, अगले चुनाव के मद्देनजर एक मध्यमार्गी टोरी पार्टी कहीं बेहतर दांव है, क्योंकि यह डेविड कैमरन ही थे, जो लेबर पार्टी से वर्षों तक हारने के बाद टोरी को केंद्र में लाने और उन्हें जीतने लायक बनाने में कामयाब हुए थे। इसमें भी कोई दोराय नहीं कि कैमरन कूटनीति की दुनिया में अपना दबदबा बना सकते हैं, क्योंकि वह एक प्रसिद्ध हस्ती हैं और एक ऐसे समय में, जब ब्रिटिश विदेश नीति बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, वह अपने तईं इस मोर्चे पर कुछ हद तक स्थिरता ला सकते हैं।

भारत के लिहाज से देखें, तो डेविड कैमरन हाल के तमाम ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों में सबसे महत्वपूर्ण पीएम थे, क्योंकि उन्होंने भारत के बारे में ब्रिटेन के पुराने नजरिये को दूर झटक इसे एक उभरती ताकत के रूप में देखने की कोशिश की थी। बतौर प्रधानमंत्री साल 2010 की अपनी भारत यात्रा में उन्होंने किसी किस्म के 'आतंकवाद के निर्यात' के मसले पर पाकिस्तान को सार्वजनिक रूप से चेतावनी दी थी। भारत-पाकिस्तान विवाद में ब्रिटेन की किसी भी भूमिका को नकारते हुए उन्होंने भारत के साथ घनिष्ठ सुरक्षा साझेदारी का प्रस्ताव रखा। इससे भारत-ब्रिटेन संबंधों में एक नई गति आई, जो आज तक जारी है।

यद्यपि कंजरवेटिव पार्टी के नवोन्मेषक के रूप में कैमरन सुनक के लिए अच्छा दांव है, पर उनकी पार्टी के भीतर बेचैनी बढ़ती जा रही है। ब्रेवरमैन को हटाने और कैमरन को लाने से टोरीज की गतिशीलता में बदलाव की बहुत संभावना नहीं है। इसलिए, सुनक को आगे एक कठिन, लंबी राजनीतिक राह तय करनी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मध्य प्रदेश में कांग्रेस का आत्मविश्वास

हरिशंकर व्यास

राजस्थान को लेकर कांग्रेस का भरोसा देर से बना है लेकिन मध्य प्रदेश में कांग्रेस चुनाव शुरू होने के पहले से ही अति आत्मविश्वास में है। कांग्रेस के नेता इस बार चुनाव यह मान कर लड़ रहे हैं कि उन्हें सरकार बनानी है। कांग्रेस को लग रहा है कि पिछले चुनाव में जहां तक वह पहुंची थी उससे आगे बढ़ना है। कांग्रेस के इस आत्मविश्वास के कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि भाजपा ने बीच में उसकी सरकार गिराई। पिछली बार कांग्रेस चुनाव जीती थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस का वोट भाजपा से थोड़ा कम था लेकिन उसकी सीटें ज्यादा थीं। यह भी एक तथ्य है कि कांग्रेस का वोट करीब पांच फीसदी बढ़ा था वह 36 फीसदी से बढ़ कर 40.89 फीसदी पहुंची थी और उसकी सीटें 56 से बढ़ कर 114 हो गई थीं। दूसरी ओर भाजपा का वोट करीब 45 फीसदी से घट कर 41 फीसदी हो गया था और उसकी सीटें 165 से घट कर 109 हो गई थीं। इसका मतलब है कि कांग्रेस क्लीयर विनर थी।

लोगों ने भाजपा को हरा कर विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया था। लेकिन सवा साल के अंदर भाजपा ने कांग्रेस विधायकों को तोड़ कर अपनी सरकार बना ली। प्रदेश की जनता ने जिनको हराया था वे फिर सरकार में लौट आए। सो, कांग्रेस को लग रहा है कि इससे उसके प्रति सहानुभूति है और लोग इस बार पहले से ज्यादा वोट करेंगे। उसे छप्पर फाड़ बहुमत देंगे ताकि उसकी सरकार न गिरे।

दूसरा कारण, भाजपा के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी है। कांग्रेस के सवा साल के राज को छोड़ दें तो 2003 से 2023 तक लगभग 19 साल तक भाजपा सरकार में रही है और इसमें भी 16 साल शिवराज सिंह चौहान ही मुख्यमंत्री रहे। ऊपर से पिछले साढ़े नौ साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। इसका मतलब करीब आठ साल डबल इंजन की सरकार चली है। भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ इससे डबल एंटी इन्कम्बैंसी बनी है। पिछले चुनाव में सरकार से बहुत नाराजगी नहीं होने के बावजूद लोग हर जगह कह रहे थे कि तवे पर रोटी को बार बार उलटते रहना चाहिए। इस बार ऐसी सोच पहले से ज्यादा है। शिवराज सिंह चौहान से भयंकर नाराजगी नहीं होने के बावजूद यह सोच है।

तीसरा कारण, भाजपा की नई रणनीति है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने एक प्रयोग के तहत सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतार दिया, जिनमें से तीन केंद्रीय मंत्री हैं। इसके अलावा पार्टी के एक राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को भी चुनाव लड़ाया जा रहा है। इसक साथ ही भाजपा ने जो चुनाव अभियान शुरू किया उसकी थीम यह रखी कि 'एमपी के मन में बसे हैं मोदी और मोदी के मन में एमपी बसा है'। सबको पता है कि मन में कितना भी बसा हो मोदी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं। फिर कौन बनेगा मुख्यमंत्री? जबकि यही सवाल भाजपा हर जगह कांग्रेस से कहती रही है कि उसकी बारात तो बिना दूल्हे के है लेकिन मध्य प्रदेश में यह सवाल उससे पूछा जा रहा है। ढेर सारे बड़े नेताओं के चुनाव लड़ने से और कंफ्यूजन बना। सांसदों को चुनाव लड़ाने से टिकट बंटवारे का समीकरण भी बदला। कई जगह बागी उम्मीदवार खड़े हैं, जिन्हें कोई मनाने वाला नहीं है।

चौथा कारण, ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथ गए दूसरे विधायकों के 'विश्वासघात' का है। कांग्रेस इसे बड़ा मुद्दा बना रही है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे लेकर ज्योतिरादित्य पर बड़ा हमला किया। कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच ले जा रही है और पार्टी छोड़ने वालों को हराने की अपील कर रही है। हालांकि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद हुए उपचुनाव में ज्यादातर विधायक फिर से जीत गए थे लेकिन इस बार कांग्रेस को उम्मीद है कि लोग उन्हें सजा देंगे। कांग्रेस छोड़ने वाले विधायकों की वजह से कांग्रेस को एक फायदा यह दिख रहा है कि उन विधायकों और नेताओं से भाजपा का क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ा है। उसके पुराने नेता नाराज हुए हैं और वे कांग्रेस से आए नेताओं को हरवाने के लिए काम कर रहे हैं।

पांचवां कारण, कांग्रेस की अपनी तैयारियां हैं। प्रदेश कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पूरी तरह से एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों ने चुनाव लड़ने की साझा रणनीति बनाई और एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कांग्रेस के लिए सबसे मुश्किल 66 सीटों की जिम्मेदारी लेकर दिग्विजय सिंह ने वहां का चुनाव संभाला। पूरे राज्य में टिकट बंटवारे से लेकर प्रचार की रणनीति में पार्टी एकजुट दिखी। पारंपरिक राजनीति और चुनाव प्रबंधन की टीम दोनों का समान रूप से इस्तेमाल किया गया। ऊपर से सट्टा बाजार में पहले दिन से कांग्रेस का भाव ऊपर चल रहा है। हालांकि वहां कांग्रेस और भाजपा में ज्यादा अंतर नहीं दिखता है लेकिन जमीनी फीडबैक के आधार पर कांग्रेस बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाने के भरोसे में है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में विद्यार्थियों ने लगाई व्यंजन प्रदर्शनी

कोरबा। केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में बाल दिवस के उपलक्ष्य में व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राचार्य योगेश गुप्ता व सीसीए प्रभारी किरण साहू के अगुवाई में कक्षा बालवाटिका तीन से कक्षा पांचवी तक के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा एवं विशिष्ट अतिथि प्रधानाध्यापिका रीना शालिनी साइमन रही। बच्चों ने समूहों में विभिन्न राज्यों के वेशभूषा (परिधानों) में राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन एवं संवाद बोलकर किया। इसमें मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, राजस्थान, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा एवं सिक्किम राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। बंगाल की मिठाई रसगुल्ला, बिहार का लिट्टी चोखा, राजस्थान का दाल-बाटी चूरमा, महाराष्ट्र का पाव-भाजी, गुजरात का ढोकला, फाफ्ड़ा, जलेबी, उड़ीसा का सागा मोंगा, पंजाब का मक्के की रोटी एवं सरसों का साग, छत्तीसगढ़ का फरा, चीला, चैसेला, बरा, बोबरा एवं सिक्किम का मोमोज आदि था। बच्चों ने एक- दूसरे से अपना व्यंजन साझा किया एवं लुफ्त उठाया। उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को एक दूसरे की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, वेशभूषा को समझने एवं साझा करने की प्रेरणा मिलती है।

छत्तीसगढ़ हॉकी टीम का विजयी आगाज, 2-0 स्कोर से दिल्ली को दी मात

जगदलपुर। ओडिसा के भुवनेश्वर में चल रहे ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज़ हॉकी टूर्नामेंट में आज छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने अपने पूल के पहले मैच में दिल्ली को 2-0 से हरा कर प्रतियोगिता ने अपनी विजयी शुरूआत की। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की टीम ने लगातार तीसरे साल दिल्ली टीम को इस टूर्नामेंट में हराया है। मैच का पहला गोल बेमेतरा की तुलसी साहू ने किया जबकि दूसरा गोल बलरामपुर की समला के द्वारा किया गया। मैच के दौरान छत्तीसगढ़ टीम की रक्षा पंक्ति ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दिल्ली टीम के खिलाड़ियों को हराने में अहम भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ टीम में गोल कीपर सरसींवा की शाहिना परवीन, रायपुर की श्वेता गायकवाड़ हैं जबकि रक्षापंक्ति में रायपुर की संजू साहू , सरगुजा की ज्योति, जगदलपुर की रीठा साहू, रायपुर की हर्षा साहू ,मोनिका वैरागड़े (उप कप्तान), रश्मि तिर्की, बागबहरा की भावना गुप्ता (कप्तान) अग्रिम पंक्ति रायगढ़ की अलमा, रायपुर की सविता चंद्राकर, बेमेतरा की तुलसी साहू सरगुजा की समला , रायपुर से अंजुम रहमान, भारती रजक, टीम की कोच एली कुजूर और मैनेजर यामनिश शुक्ला रायपुर से शामिल है।

फिजा में नमी से सुबह कोहरे के साथ दिन में छा रहे बादल

अंबिकापुर। मौसम में हो रहे बदलाव से ठंड का असर भी कम ज्यादा हो रहा है। ?स्थिति यह है कि सुबह हल्के कोहरे के बाद दिन में हल्के बादल छा रहे हैं। इससे रात में थोड़ी ठंडी तो दिन में गर्मी महसूस हो रही है। यह बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान से आ रही नमी के प्रभाव से हो रहा है। इससे उत्तर की शुष्क हवा मध्य भारत तरफ नहीं आ पा रही है, जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है। इस बीच रविवार को शहर का न्यूनतम तापमान 13.9 तो अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री दर्ज किया गया। रात के तापमान में बीते 24 घंटे के दौरान 1 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक मौसम के इसी तरह रहने की संभावना है।

राजभवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया 17 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है-राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के तहत आज छत्तीसगढ़ सहित 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है। राजभवन में राज्यपाल हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड तथा झारखण्ड और केंद्रशासित प्रदेशों लद्दाख, चंडीगढ़, अण्डमान और निकोबार द्वीप, पुदुचेरी तथा लक्षद्वीप का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि भारत अनेक रंगो के फूलों की माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। विविधता होते हुए भी हम सब एक है। जिसके कारण विश्व में हमारी साख है। दुनिया की सभी शक्तियां हमारे भारत वर्ष की प्रशंसा करती हैं। श्री हरिचंदन ने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। प्राकृतिक संसाधनों, वनोपज एवं खनिज से भरपूर

छत्तीसगढ़, अपनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास की कहानी कहता हुआ मध्यप्रदेश राज्य भले ही ही दो अलग-अलग राज्य हैं। लेकिन दोनों राज्यों के निवासियों का खान-पान, भाषा, संस्कृति, आचार-विचार, घुले-मिले है और वे परस्पर स्नेह के अटूट बंधन में बंधे हुए हैं। तमिलनाडु देश का दूसरा सबसे बड़ा सूचना प्रौद्योगिक का क्षेत्र है।

साक्षरता के साथ-साथ सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य स्तर, स्त्री-पुरूष समानता के क्षेत्र में केरल अग्रणी है। आंध्रप्रदेश कृषि के साथ-साथ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल तिरूपती बालाजी के लिए प्रसिद्ध है। सार्वधिक लोकप्रिय प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे-ऊंचे हिमालय पर्वतों की श्रृंखला, हिन्दुओं के पवित्र तीर्थ स्थल वैष्णव देवी तथा अमरनाथ के लिए जम्मू और कश्मीर जाना जाता है। पंजाब का इतिहास कुर्बानियों से भरा हुआ है। जिस पर हर देशवासी को गर्व है। अमृतसर का स्वर्ण मंदिर प्रमुख सिक्ख धर्म स्थल है। छोटा राज्य होने के बावजूद हरियाणा राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। दिल्ली हमारी राजधानी ही नही देश का दिल भी है। देव भूमि उत्तराखंड में दुनिया भर के पर्यटक आते है। कोयला खनिज संपदा से भरपूर झारखंड अपनी आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है।

श्री हरिचंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया। यह भारतीय, तिब्बती और बौद्ध धर्म की संस्कृतियों का संगम क्षेत्र है। अंडमान-निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, पुदुचेरी भी अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। इनमे से अधिकांश राज्यों से आए हुए लोग छत्तीसगढ़ में व्यवसाय अथवा नौकरी कर रहे है।

राज्यपाल ने इन सभी राज्यों के नागरिकों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल के सचिव श्री अमृत कुमार खलखो ने ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राजभवन में अबतक 6 राज्यों का स्थापना दिवस राजभवन में मनाया गया। इन राज्यों की संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं से एक-दूसरे राज्य के लोग परस्पर रूबरू हुए। कार्यक्रम में इन सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुवा, कर्मा, राउत नाचा, पंथी नृत्य पंजाब का भांगडा, कर्नाटक का लोक-नृत्य, कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड, अंडमान-निकोबार द्वीप, मध्यप्रदेश का लोक नृत्य, केरल का लोक नृत्य, आंध्रप्रदेश के भारत नाट्यम नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ से पद्मश्री से सम्मानित भारती बंधु, डॉ. सुरेन्द्र दुबे, श्रीमती शमशाद बेगम, मदन चौहान, अजय मंडावी, अनुप रंजन, डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्रा, श्रीधर, सुचिता शरण सहित अन्य समुदाय के विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, उपसचिव दीपक अग्रवाल, इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाए एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बोर्ड एग्जाम की तरह स्कूलों में होगी छमाही परीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दिवाली पर्व का अवकाश खत्म होने के बाद 18 नवंबर से स्कूल खुल गए हैं। अब शिक्षकों के सामने अधूरे कोर्स को पूरा कराने की चुनौती है। ऐसे में नियमित कक्षाएं लगाने के साथ एक्स्ट्रा क्लास का सहारा भी लेना पड़ेगा।

इस बार भी छमाही परीक्षा के प्रश्न पत्र प्रदेश में एक समान होंगे। इसका प्रकाशन माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा किया जाएगा। इस साल दिसंबर में बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर एक जैसे प्रश्न पत्र के साथ एक ही समय में छमाही परीक्षा होनी है। जिसके चलते परीक्षा की

तैयारी भी एक साथ होगी। डीईओ ने सभी बीईओ और प्राचार्यों को इस संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। अब शीतकालीन अवकाश तक केवल पढ़ाई पर फोकस रहेगा।

अक्टूबर में पहले दशहरा अवकाश के बाद स्कूल तो खुल गए लेकिन शिक्षकों की चुनाव ड्यूटी लगने के कारण नियमित कक्षाएं नहीं लग रही थीं। फिर दिवाली की छुट्टियां लग गई। अवकाश और चुनाव के चलते इस बार स्कूलों में पढ़ाई का नुकसान अधिक हुआ है। दिवाली अवकाश खत्म होने के बाद नियमित कक्षाओं के साथ-साथ एक्स्ट्रा क्लास लेकर कोर्स पूरा कराएंगे।

भगत चौक पर अखंड राम नाम सप्ताह यज्ञ 23 से

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। जिला मुख्यालय के पुरानी बस्ती के भगत चौक में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन 23 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक किया जाएगा।

राम नाम सप्ताह यज्ञ के प्रारंभ दिवस 23 नवम्बर को भगत चौक पुरानी बस्ती संकीर्तन स्थल से कलश यात्रा कीर्तन मण्डली के साथ भगवती देवी दाई मंदिर भीमा तालाब तक निकाली जाएगी। तत्पश्चात वरूण कलश पूजन कर, कलश यात्रा संकीर्तन स्थल वापस होगी। साथ ही यज्ञ प्रारंभ हेतु देव आवाहन, स्थापना पूजा एवं स्वास्ति वाचन के साथ देव मूर्तियों की झांकी स्थापना की जाएगी। पुरानी बस्ती में 100 साल से अधिक प्राचीन वट वृक्ष के नीचे चबूतरे में पूरे सात दिन और सात रात राम नाम का जाप लगातार किया जाता है। वही जिले व अन्य जिलों के गांवों से कीर्तन मण्डली रामनाम गायन करने के लिए पहुंचेंगे।

खादू श्याम के जन्मदिन पर होगा अलौकिक श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। खादू श्याम बाबा के जन्मदिन देवउठनी ग्यारस के अवसर पर रायगढ़ श्याम मंदिर में 21 से 24 नवंबर तक चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होने जा रहा है। इस वर्ष भी बाबा श्याम के जन्मदिन को धूमधाम से बनाने के लिए श्याम मंदिर में तैयारियां की गई है जिसमें पूरे मंदिर को फूलों से सजाया जाएगा एवं बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार होगा। श्याम मंडल रायगढ़ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल और सचिव सचिन बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष बाबा श्याम के जन्मदिन को रायगढ़ श्याम मंदिर में श्याम महोत्सव के रूप में मनाया जाता है यह बाबा का 45 वां महोत्सव है।

इस वर्ष यह आयोजन चार दिवसीय होगा जिसने 21 नवंबर मंगलवार को निशान यात्रा

का आयोजन किया गया है। जो प्रातः 9 बजे गांधी गंज परिसर से प्रारंभ होगी और नगर भ्रमण कर संजय कंपलेक्स श्याम मंदिर पहुंचेगी। श्याम बगीची में 22 नवंबर बुधवार को श्याम अखंड ज्योति पाठ का नृत्य नाटिका के साथ आयोजन किया गया है जिसमें पाठ के वाचन के लिए कोलकाता से बालकृष्ण शर्मा को आमंत्रित किया गया है।

होगा रात्रि जागरण

देवउठनी एकादशी 23 नवंबर को श्याम बगीची रायगढ़ में भजन अमृत वर्षा रात्रि जागरण का 9 बजे से आयोजन किया गया है एवं 24 नवंबर को सुबह 10 बजे बाबा श्याम को सवामणी प्रसाद का लगाया जाएगा एवं शाम 6 बजे से श्याम बगीची में भजन संध्या का आयोजन होगा।

कार्यक्रम में इनकी होगी प्रस्तुति

प्रवेश शर्मा (बीकानेर), सुरभि चतुर्वेदी (कोटा), अमोल सुभम (कोलकाता), अरविंद सहगल (कोलकाता), संजय परीक (जयपुर), अनुभव अग्रवाल (टाटानगर) एवं निशा सोनी (कोलकाता) शामिल है। श्याम प्रेमियों के लिए श्याम मंडल द्वारा श्याम नाम की मेहंदी लगवाने की भी व्यवस्था की है 19 एवं 20 नवंबर को मंदिर परिसर में श्याम प्रेमी जाकर निःशुल्क मेहंदी लगवा सकते हैं। निशान यात्रा को आकर्षक बनाने के लिए इस वर्ष पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा,नृत्य नाटिका, डीजे धमाल विशेष रुप से रहेंगे। जगह-जगह चौक चौराहों पर यात्रा का भव्य स्वागत होगा। जो श्याम प्रेमी निशान उठाने चाहते है वे रायगढ़ श्याम मंदिर से निशान की रसीद प्राप्त कर सकते हैं एवं साथ ही सवामणी प्रसाद लगवाने हेतु मंदिर के पुजारी को अपना नाम लिखवा सकते हैं। श्याम मंडल रायगढ़ ने नगर के सभी श्याम प्रेमियों से आग्रह किया है कि महोत्सव में अधिक से अधिक भाग लें।

ढंड ने दी दस्तक, प्रवासी पक्षी लौटने लगे अपने देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । ठंड की दस्तक के साथ ही श्रीलंका सहित कई देशों से आने वाले पक्षियों का प्रवास काल कनकी में पूरा हो चुका है। अब वे अपने बच्चों के साथ मीलों का सफर पूरा कर स्वदेश लौटने लगे हैं। दशकों से यह खास किस्म के पक्षी घोंगिल ओपनबिल्ड स्टार्क जिले के कनकेश्वर धाम को अपने प्रवास का सबसे प्रिय स्थान बना लिया है। वे यहां प्रजनन के लिए आते हैं।

पक्षियों का आगमन जून महीने में होता है। यह वह माह होती है जब शिव की आराधना के पवित्र माह सावन की भी शुरूआत होती है। भगवान शिव की आराधना के लिए प्रख्यात कनकेश्वर धाम में पक्षियों का आगमन शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण इन पक्षियों को आस्था से जोड़कर देखते हैं। बरसात की

शुरूआत में इनका आगमन होने के करण इन्हें मानसून का सूचक भी माना जाता है। अब ठंड की शुरुआत होते ही पक्षी वापस लौटने लगे हैं। यह अपने घोसले इमली, बरगद ,पीपल,बबूल व बांस के पेड़ों पर बनाते हैं। स्टार्क पक्षी 10 से 20 हजार की संख्या तक अपने घोंसले बनाते हैं। एक पेड़ पर 40 से 50 घोसले हो सकते हैं। प्रत्येक घोसले में चार से पांच अंडे होते हैं। सितंबर के अंत तक इनके चूजे बड़े होकर उड़ने में समर्थ हो जाते हैं।

घोसलों का स्थान भी निश्चित होता है। जहां प्रत्येक वर्ष यह जोड़ा उन्ही टहनियों पर घोसला रखता है जहां पूर्व के वर्ष में था। गांव कनकी की जलवायु में प्रवासी पक्षियों को प्रजनन काल के लिए उपयुक्त वातावरण मिलता है। जिसके कारण ही यहां पिछले कई दशकों से यह सिसिला लगातार चलता आ रहा है। मुख्यतौर पर यह पक्षी दक्षिण पूर्व एशिया,श्रीलंका और दक्षिण भारत में भी पाए जाते हैं। पक्षी कीट भक्षी होने के कारण किसानों के सहयोगी हैं। धान की फसल को नुकसान करने वाले कीटों ये चट कर जाते हैं। प्राकृतिक आपदा गाज के कारण हर साल यहां पक्षियों की मौत होती है। इसके अलावा खेतों रासायनिक दवाओं के छिड़काव की वजह से पक्षियों के खतरा बना है। यही वजह है कि प्रवासी पक्षियों की संख्या लगातार कम हो रही है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राजीव भवन में मनाई गई इंदिरा गांधी जयंती

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में देश की पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शनी स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके छायाचित्र में माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, शैलेश पांडेय, दिलीप लहरिया, विजय केशरवानी, सियाराम कौशिक, आशिष छाबड़ा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, महामंत्री रवि घोष, संयुक्त महामंत्री अजय साहू, सलाम रिजवी, मेहमूद अली उपस्थित थे।

अयप्पा मंदिरः पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिनों ने की नारंगा विलक्कू की पूजा

रायपुर (ए)। टाटीबंध स्थित अयप्पा मंदिर में सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए नारंगा विलक्कू की पूजा की। साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि के लिए भगवान कृष्ण से आशीर्वाद मांगा। नारंगा विलक्कू की पूजा में महिलाएं केले के पत्ते पर फल और फूल रखकर खट्टे फलों को काट कर पत्ते पर दीप सजाती हैं। आचार्य कदमबनित्ता जयचंद्रन नायर ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई। श्रीमदभागवत कथा के दौरान आचार्य ने भगवान विष्णु के श्रीकृष्णावतार की कथा सुनाई।

इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने बच्चों को श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजाकर लाए थे। कथा के बाद उन्नी ओटू का आयोजन कर में बच्चों को पंगत में बैठाकर मलयाली परंपरा में भोजन कराया गया। वहां महिलाओं ने घी के दीप जलाए। इस दौरान श्री अयप्पा सेवा संघम समिति के सदस्य टीसी प्रसाद, सुकुमारन, टीए अरुण, जयेश और श्रीजित पदाधिकारी मौजूद थे।

महादेवघाट में मना छठ महापर्व, व्रती महिलाओं ने सूर्य को दिया अर्घ्य

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रति महिलओं ने तोड़ा उपवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा रविवार और सोमवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में धूमधाम से मनाया गया। महादेव घाट स्थित खारुन नदी तट पर बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग और और छठ व्रती महिलाओं ने शाम और सुबह में सूर्य को अर्घ्य दिया। रविवार की शाम और सोमवार की सुबह में विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। सुबह 6 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूजा का समापन हुआ।

बता दें छठ महापर्व मुख्य रूप से बिहार और यूपी के पूर्वांचल में मनाया जाता है। वहीं देश के सभी प्रदेशों में रहने वाले उत्तर भारतीय समाज के लोग धूमधाम से मनाते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के कई महानगरों में इस पर्व की धूम रहती है।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

छठ महापर्व आयोजन समिति महादेव घाट रायपुर इस बार पर्व को मनाने के लिए भव्य तैयारी की। आकर्षक साज-सज्जा की। व्रतियों के लिए व्यापक इंतजाम किए गए।महादेवघाट सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुलजार रहा। सुर संग्राम विजेता आलोक कुमार, बिहार की हेमा पांडेय (तीनों बहनें), छत्तीसगढ़ी गायक दिलीप षड़ंगी समेत कई कलाकार रंगारंग प्रस्तुति दिए। इस दौरान इलाहाबाद से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य नाटिकाकर्मी सोनाली तरुण चौपड़ा और उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी।

आयोजन स्थल पर दो मंचीय कार्यक्रम

समिति के प्रमुख राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह कन्हैया सिंह, ब्रजेश सिंह, सत्येंद्र सिंह गौतम, वेद नारायण सिंह, मनोज सिंह, संजय सिंह, रविंद्र शर्मा आदि ने आयोजन को लेकर महादेव घाट में आज भी बैठक ली और एक हफ्ते पूर्व भी बैठक लिए थे। समिति ने महादेव घाट पर व्यापक व्यस्थाएं की हैं। आयोजन स्थल पर दो मंचीय कार्यक्रम हुआ। पहला मंच संबोधन के लिए और दूसरा मंच सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए रहा।

छठ महापर्व का तीसरा दिन

19 नवंबर को छठ महापर्व का तीसरा दिन रहा। रविवार को संध्या अर्घ्य यानी डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। चार दिवसीय छठ पर्व में तीसरा दिन सबसे खास रहा। इस दिन लोग अपने परिवार के साथ घाट पर पहुंचे और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। मान्यता है कि जो लोग पूरी श्रद्धा के साथ छठ माता और सूर्य देव की पूजा-अर्चना करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं छठ मैया पूरी करती हैं। इस दिन व्रत रखने वाले लोग अपने परिवार और बच्चों की लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से छठी माता व्रत करने वाले लोगों के परिवार और संतान को लंबी आयु और सुख समृद्धि का वरदान देती हैं।

नहाय-खाय के साथ होती है पूजा की शुरुआत

चार दिवसीय छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय के साथ होती है। फिर अगले दिन खरना होता है। खरना का अर्थ है मन तन और वातावरण की शुद्धता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन अंतर मन की स्वच्छता पर जोर दिया जाता है। खरना महापर्व के दौरान की जाने वाली महत्वपूर्ण पूजा है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन छठी मैया का आगमन होता है, जिसके बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। खरना पूजा के दिन व्रती महिलाएं नहाने के बाद भगवान सूर्य की पूजा करती हैं। शाम के समय मिट्टी के चूल्हे पर साठी के चावल, गुड़ और दूध की खीर बनाती हैं, ठेकुआ बनाती हैं, जिसे भोग के रूप में सबसे पहले छठी मैया को अर्पित करते हैं। व्रती उपवास रखकर रात में खरना पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करती हैं। फिर घर के सदस्यों को प्रसाद बांटा जाता है।

डॉक्टरों के 41 पद रिक्त, उप-जिले के लोग गिने-चुने डॉक्टरों पर ही हैं निर्भर

रायपुर (ए)। टिटिलागढ़ के मुख्य अस्पताल में डॉक्टरों के 41 पद रिक्त हैं। पूरे उप-जिले के लोग गिने-चुने डॉक्टरों पर ही निर्भर हैं। टिटिलागढ़ में 49 स्थायी डॉक्टर होने चाहिए, जबकि केवल 8 डॉक्टर हैं। 41 डॉक्टरों के पद अभी भी खाली हैं। पिछले 28 अगस्त को राज्य सरकार के अनुबंध या नियुक्ति के अनुसार डॉक्टरों ने राज्य के विभिन्न अस्पतालों में ज्वाइन किया और कानूनी रूप से काम किया।

स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग में डॉ. स्मृति रथ, सर्जरी विभाग में डॉ. आशीष कुमार मिश्रा, नेत्र विज्ञान विभाग में डॉ. अर्पिता दास, मेडिसिन विभाग में डॉ. चैपली गणनायक, पैथोलॉजी में शुभांशी अर्चना राउत ने ज्वॉइन किया था। अविनाश अनंत नेगी 10 अक्टूबर को आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग में शामिल हुए। ज्वॉइन करने के कुछ ही दिनों के भीतर टिटिलागढ़ से दो डॉक्टरों का तबादला कर दिया गया और अब उन्हें बुर्ला में सहायक प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया है। चार डॉक्टरों के जाने से भी यही स्थिति सामने आई है। टिटिलागढ़ मुख्य अस्पताल से सिर्फ 6 डॉक्टर नहीं जा रहे हैं। यहां प्रतिनियुक्ति पर आए डॉ. हरीश साहू बीजेपुर स्वास्थ्य केंद्र जा रहे हैं। सिरसा भोला और डॉ. किरणमयी पांडा ने अब तक ज्वाइन नहीं किया है। दो डॉक्टरों के गायब रहने की घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। शिरिया भोला ने आज तक टिटिलागढ़ मुख्य अस्पताल में कदम नहीं रखा है, जबकि वह प्रसूति विभाग की डॉक्टर हैं। इसी तरह खोलान स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. हरीश साहू, डॉ. क्षीरोदर माझी, जितेंद्र मोहंती भी प्रतिनियुक्ति पर अगलपुर से टिटिलागढ़ आए हैं। इनमें डॉ. हरीश साहू ने बीजेपुर स्वास्थ्य केंद्र में कार्यभार ग्रहण कर लिया है, जबकि डॉ. जितेंद्र मोहंती आगलपुर से टिटिलागढ़ डेपुटेशन में हैं।

राजधानी सहित प्रदेशभर में शुष्क रहेगा मौसम

रायपुर (ए)। राजधानी सहित प्रदेशभर में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। उत्तरी छत्तीसगढ़ में तापमान धीरे-धीरे नीचे जाता हुआ दिखाई दे रहा है। सोमवार को सुबह कोहरे के बाद दिनभर आसमान साफ रहने के आसार हैं। वहीं, अगले दो दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके बाद बुधवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना बनती दिखाई दे रही है।

राजधानी में सोमवार को मौसम साफ रहने के आसार हैं। साथ ही अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। रविवार को राजधानी सहित प्रदेशभर में मौसम साफ रहा। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान सक्ती में 32.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों

में न्यूनतम और अधिकतम तापमान औसत से एक डिग्री से लेकर छह डिग्री तक ज्यादा देखने को मिला।

राजनांदगांव में पारा सामान्य से छह डिग्री ज्यादा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राजनांदगांव में पिछले तीस वर्षों के औसत तापमान में से अधिकतम तापमान छह डिग्री तक अधिक दर्ज किया गया। अंबिकापुर व पेंड्रा रोड में औसत से तीन डिग्री अधिक, जबकि जगदलपुर व दुर्ग में दो डिग्री और रायपुर व बिलासपुर में तापमान औसत से एक डिग्री तक अधिक दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान में भी तीन डिग्री का अंतर

अधिकतम तापमान के अलावा न्यूनतम तापमान भी औसत से अधिक चल रहा है। राजधानी में तापमान औसत से तीन डिग्री, बिलासपुर व पेंड्रा रोड में दो डिग्री, जबकि अंबिकापुर व जगदलपुर में एक डिग्री अधिक चल रहा है। सिर्फ दुर्ग ही एक ऐसा शहर है, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम रहा।

गर्म कपड़ों का सजा बाजार

ठंड की दस्तक के साथ ही राजधानी सहित प्रदेशभर में गर्म कपड़ों का बाजार सज गया है। हालांकि ठंड कम पड़ने की वजह से बाजारों में अभी भीड़ नहीं देखने को मिल रही है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार दो दिनों बाद न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसे में दो दिनों बाद गर्म कपड़ों के बाजार में रौनक देखने को मिल सकती है।

बृजमोहन अग्रवाल ने लोक आस्था के महापर्व छठ की बधाईयां और शुभकामनाएं दी

रायपुर (ए)। लोक आस्था का महापर्व छठ रायपुर में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने समस्त प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की बधाईयां व शुभकामनाएं दी।

रायपुर में विभिन्न स्थानों पर खारुन नदी और पोखरों पर श्रद्धालु अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। बृजमोहन अग्रवाल महादेव घाट पर खारुन नदी के तट भक्तों के बीच पहुंचे। और महापर्व के साक्षी बने। कार्यक्रम का आयोजन छठ महापर्व आयोजन सीमित ने किया था। बृजमोहन अग्रवाल ने सभी प्रदेशवासी को महापर्व की बधाई दी। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वो कामना करते हैं की भगवान

सूर्य और छठ मैया सभी प्रदेशवासियों को सुख, समृद्धि, सौभाग्य और संपन्नता प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि, छठ का महापर्व में उदय और अस्त होते सूर्य की पूजा की जाती है। जो जिंदगी के उतर चढ़ाव के संकेत है। और हम सभी को जिंदगी के उतर-चढ़ाव, सुख-दुख से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। हमें पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना है। छठ मैय्या सभी के जीवन में उजाला लाएंगी। बृजमोहन अग्रवाल ने माताओं, बहनों को अखंड सौभाग्यवती और बच्चों को लंबी स्वास्थ्य आयु का आशीर्वाद दिया।

लालगंगा पटवा भवन में जारी है पुच्छिंसुणं आराधना

रायपुर (ए)। पुच्छिंसुणं आराधना के पंचम दिवस धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा कि जंबूस्वामी ने सुधर्मा स्वामी से पूछा कि कौन सा ज्ञान, कौन सी श्रद्धा और कैसा शील महावीर को प्रभु महावीर बनता है? सुधर्मा स्वामी ने कहा कि पहले तुम परमात्मा के धर्म को जानो, उनकी प्रज्ञा को समझो। ये सारे बिना पूछे सवालों के जवाब हैं। और सबसे बड़ी बात उनकी शक्ति और उल्लास। प्रभु जो भी कार्य करते थे, उसमे

परमात्मा तभी खुश होंगे जब आप खुश रहेंगेः प्रवीण ऋषि

अपनी पूरी शक्ति लगा देते थे। उल्लास और खुशी के साथ वे साधना करते थे। जिस काम को करने में आनंद आता है, उस समय शक्ति का जागरण होता है। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा कि हमें कांटा चुभता है तो दर्द होता है, क्योंकि हमारे अंदर दर्द महसूस करने की ग्रंथि रहती है। अगर यह ग्रंथि

नहीं रहेगी तो हमें दर्द का अहसास नहीं होगा। सबके पास यह ग्रंथि होती है, लेकिन महावीर ने उसे समाप्त कर दिया था। संगमदेव उन्हें कष्ट देता है, लेकिन परमात्मा देखते हैं कि मेरी अनंत निर्जरा हो रही है। संगमदेव को लग रहा था कि वह महावीर को कष्ट दे रहा है, लेकिन वे तो इसमें भी खुशी महसूस कर रहे थे। कर्म निर्जरा की एक शर्त है कि जो काम आप कर रहे हो, उसे खुशी खुशी करो। पुण्य करते हुए खुशी मनाओगे तो पुण्य श्रावक बनोगे, पाप करते हुए खुशी मनाओगे तो नर्क का बंद होगा। क्षमा, दान देते समय अगर आनंद का अनुभव होता है तो आपका ज्ञान-श्रद्धा-शील सुमेरु पर्वत जैसा हो जाता है। अपने किसी को वंदन किया तो उसकी खुशी मनाओ। वंदन करने से शक्ति का संचार होता है। आप किसी का वंदन करते हैं तो उसे भगवान बनाते हैं। इससे बड़ी खुशी और क्या हो सकती है कि मैं किसी को प्रभु बना रहा हूँ। खुशी में शक्ति प्रकट होती है, खुशी महसूस नहीं हुई तो शक्ति समाप्त हो जाती है। जो जी रहे हो उसमे खुशी मनाओ। किसी परिस्थिति में खुशी मनाना है या दुःख, यह हमपर निर्भर करता है। परमात्मा तभी खुश होंगे जब हम खुश रहेंगे। उपाध्याय प्रवर ने कहा प्रभु महावीर की प्रज्ञा जगत के लिए है। उनकी सोच है कि पूरे विश्व का, समस्त जीवों का कल्याण हो जाए। जैन भूगोल में दो पर्वतों का जिक्र है एक है निषध पर्वत जो सबसे ऊँचा है, और दूसरा है रुचक पर्वत जो सबसे चौड़ा है। सुधर्मा स्वामी कहते हैं कि कुछ लोग होते हैं जो परिवार की परवाह करते हैं, वहीं कुछ लोग बाहर वालों की।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हाई हील्स पहनने वाले हो जाएं सावधान, क्योंकि इसके ज्यादा इस्तेमाल से हो सकती है ये गंभीर बीमारी

आजकल तो हाई हील्स पहनना फैशन का अहम पार्ट हो गया है। हाई हील्स में लड़कियां काफी ज्यादा खूबसूरत तो दिखती हैं लेकिन वह सेहत के लिए ठीक नहीं है। दरअसल, सेहत के हिसाब से फ्लैट जूते-चप्पल अच्छे माने जाते हैं। जो आपके पैर के शेप के हिसाब से रहे। लेकिन जब आप हाई हील्स पहनते हैं तो आपके पैर का शेप अलग हो जाता है। कहने का मतलब यह है कि वह नेचुरल शेप में नहीं रहता है। इसके कारण हड्डियों का शेप भी बिगड़ सकता है। आज हम आपको हाई हील्स पहनने के नुकसान बताएंगे। साथ ही यह आपको कई सारी बीमारी भी देती है।

हाई हील्स पहनने से होती है ये बीमारी

ज्यादा हाई हील्स पहनने से पैरों में बनियन की समस्या हो सकती है। साथ फ्यूचर में इससे आपको पोडियाट्री की दिक्कत हो सकती है। हाई हील्स पहनने से पैरों की उंगलियां आपसे में चिपक जाती है जिसके कारण शेप खराब हो सकता है। पैरों में पोडियाट्री भी हो सकती है। अंगुठा के पास की हड्डी निकल जाती है जिससे पूरे पैर का शेप खराब हो जाता है।

हाई हील्स पहनने से होते हैं नुकसान

हाई हील्स पहनने से पैरों को भारी नुकसान होता है। जैसे रूमेटाइड अर्थराइटिस साथ ही पैरों का शेप बिगड़ जाता है।

- क्लॉ टो की समस्या हो सकती है जिसमें आपके अंगूठे दूसरी उंगलियों से चिपके नजर आते हैं।
- पैर की उंगलियों का ओवलैप होना। जिसके कारण भद्दे दिखते हैं।
- हाई हील्स पहनने से आपको कम में भी दर्द की शिकायत हो सकती है।
- जोड़ों में दर्द।
- टखने में मोच।

क्या प्रदूषण में कपालभाति जैसे प्राणायाम करने चाहिए?

आज के समय में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गई है। बढ़ते प्रदूषण के चलते कई शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। ऐसे में, प्रदूषित हवा में बाहर व्यायाम या दौडऩा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। प्रदूषित हवा में व्यायाम करते समय हम ज्यादा सांस लेते हैं, जिससे हमारे फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषित हवा पहुंचते हैं। इससे सांस की तकलीफ, खांसी, सीने में जकडऩ जैसी समस्याएं और अधिक बढ़ जाती है। प्रदूषण से बचने के लिए रोजाना कपालभाति जैसे प्राणायाम करना बहुत जरूरी है। लेकिन इस समय आपको घर के अंदर ही योग या प्राणायाम करना चाहिए। जोकि हमारे फेफड़ों और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

जानें कपालभाति प्राणायाम कैसे करते हैं?

कपालभाति एक बहुत ही लाभदायक प्राणायाम है। इसे करने के लिए सबसे पहले पद्मासन में बैठ जाएं और दोनों हाथों से चित्त मुद्रा बना लें। फिर गहरी सांस अन्दर की ओर लेते हुए झटके से सांस बाहर छोड़ें और पेट को अन्दर की ओर खींचें। अगर आप शुरुआत कर रहे हैं तो 5-10 मिनट तक ही अभ्यास करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाते जाएं।

जानें कपालभाति प्राणायाम के फायदे

- आजकल बढ़ते प्रदूषण की वजह से सांस संबंधी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में, प्रदूषण से राहत पाने और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने के लिए कपालभाति जैसे प्राणायाम बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। कपालभाति श्वसन प्रणाली को मजबूत करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाता है। इसको रोजाना करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और प्रदूषण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।
- यह शरीर से विषाक्त पदार्थों और अन्य अपशिष्ट उत्पादों को बाहर निकालने में भी मदद करता है। कपालभाति के दौरान गहरी सांस लेने और बाहर छोडऩे से फेफड़ों का व्यायाम होता है, जिससे उनकी सफाई में सुधार होता है। इस प्रकार, कपालभाति शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद कर सकता है और स्वस्थ बनाए रखने में उपयोगी है।
- कपालभाति एक ऐसा प्राणायाम है जिसके नियमित अभ्यास से मानसिक और भावनात्मक लाभ भी प्राप्त होते हैं। इसका अभ्यास करने से चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। कपालभाति के दौरान हम धीमी और गहरी सांस लेते हैं, जो हमारे शरीर और दिमाग को शांत और आरामदायक अनुभव देता है। यह ध्यान की स्थिति लाता है और हमारे मन को शांति देता है। इस प्रकार, कपालभाति के नियमित अभ्यास से चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है।

एनिमल का नया सॉन्ग अर्जन वैली हुआ रिलीज, रणबीर कपूर का खूंखार अंदाज और पंजाबी बीट्स का है धांसू कॉम्बो

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की मोस्टअवेटेड फिल्म एनिमल अब तक अपने सभी सॉन्गस को लेकर चर्चा में है। वहीं अब फिल्म का एक और नया सॉन्ग अर्जन वैली रिलीज हुआ है। इस गाने में रणबीर का दमदार एक्शन अवतार लोगों को अचंभित कर रहा है। एनिमल का नया गाना अर्जन वैली सिर्फ एक ट्रैक नहीं है, यह सेंट्रल कैरेक्टर के मन में चल रही एक यात्रा और इन्टेन्सिटी की एक झलक को दर्शाता है।

भूपिंदर बब्बल की दमदार आवाज, उनके द्वारा लिखे गए बोल और मनन भारद्वाज की उत्कृष्ट कम्पोजीशन के साथ, यह ट्रैक फिल्म में रणबीर कपूर द्वारा निभाए गए अहम रोले के कैरेक्टर डेवलपमेंट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्जन वैली एक लिरिकल जर्नी है जो रणबीर कपूर द्वारा निभाए गए किरदार के जटिल परतों को प्रतिबिंबित करता है और एक संगीतमय कृति बनता है जो दिलचस्प और दमदार है।

यह ट्रैक एनिमल के सार को दर्शाता है, जो निश्चितरूप से रणबीर कपूर जीवन की यादगार भूमिकाओं में से एक होगा। इस नवीनतम संगीतमय पेशकश के साथ, एनिमल ने फिल्म के प्रति उत्सुकता को बरक़रार रखा है।

इस क्लासिक सागा का निर्माण प्रसिद्ध निर्माता भूषण कुमार ने किया है और इस सिनेमेटिक मास्टरपिस में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 1 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम में रिलीज के लिए तैयार है। एनिमल का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी के सिने स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

गदर 2 की सिमरत कौर बनीं प्रभास की सालार का हिस्सा खास गाने में आएंगी नजर

साउथ के अभिनेता प्रभास पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म सालार-पार्ट वन: सीजफायर को लेकर चर्चा में हैं। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। अब फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। दरअसल, गदर 2 की अभिनेत्री सिमरत कौर सालार का हिस्सा बन गई हैं। वह फिल्म के एक विशेष गाने में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी, जिसकी शूटिंग अभिनेत्री ने पूरी कर ली है।

गदर 2 की सफलता के बाद सिमरत सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में सालार के निर्माताओं ने फिल्म में एक खास गाने में अभिनेत्री को लेने का फैसला किया है। सालार 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और टिकट खिड़की पर इस फिल्म का सामना शाहरुख खान की डंकी से होगा। प्रभास की फिल्म का ट्रेलर नवंबर के अंत तक जारी किया जाएगा और इसका टीजर पहले ही सामने आ चुका है।

दुल्हनिया 3 में फिर बनेगी आलिया और वरुण की जोड़ी, करण जौहर ने लगा दी मुहर

करण जौहर 1998 में फिल्म कुछ कुछ होता है से अपने सफर की शुरुआत करने के बाद कई शानदार फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। उनकी बेहतरीन फिल्मों में हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया भी शामिल है, जिसे दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया। इस फिल्म का दूसरा भाग भी सफल रहा था और काफी समय से प्रशंसक तीसरे भाग की मांग कर रहे थे। अब करण ने आलिया भट्ट और वरुण धवन के साथ दुल्हनिया 3 बनाने पर बात की है।

दरअसल, करण से इंस्टाग्राम लाइव के दौरान एक प्रशंसक ने सवाल पूछा था कि क्या वह दुल्हनिया 3 बना रहे हैं क्योंकि सभी आलिया और वरुण को साथ में देखना चाहते हैं। ऐसे में करण ने कहा, दुल्हनिया एक शानदार फ्रैंचाइजी है। यह प्यार और भावनाओं से भरपूर है। शशांक खेतान भावनाओं के साथ कॉमेडी के मिश्रण को पर्दे पर दिखाने में माहिर हैं। हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही दुल्हनिया 3 के साथ एक दिलचस्प कहानी लेकर लौटेंगे।

वरुण भी फिल्म दुल्हनिया 3 का हिस्सा बनने पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर चुके हैं। अभिनेता का कहना था कि वह इस फिल्म को करने के लिए उत्सुक हैं। वह कुछ ऐसी चीज का इंतजार कर रहे हैं, जो बहुत अच्छी हो ताकि दर्शकों को अंत तक बांधे रखे। वरुण ने बताया कि निर्देशक शशांक इसकी स्क्रिप्ट तैयार कर कर रहे हैं, जो अभिनेता के साथ ही उनकी वापसी के लिए भी अच्छी हो साबित हो।

दुल्हनिया फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया 2014 में आई थी। इसमें वरुण ने हम्प्टी और आलिया ने काव्या का किरदार निभाया था। काव्या अपनी शादी पर मनीष मल्होत्रा का डिजाइनर लहंगा पहनना चाहती है और दिल्ली आती है, जहां उसे हम्प्टी से प्यार हो जाता है। 2017 की बद्रीनाथ की दुल्हनिया आई, जिसमें वैदेही (आलिया) दहेज के खिलाफ है और अपने सपने पूरा करना चाहती है। इसी बीच उसकी मुलाकात बद्रीनाथ से होती है।

आलिया और वरुण ने 2012 में करण के निर्देशन में बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से ही अपने बॉलीवुड के सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद दोनों हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, बद्रीनाथ की दुल्हनिया और कलंक में साथ नजर आए हैं।

करण की एक्शन से भरपूर फिल्म योद्धा 15 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे।

ब्लैक एंड व्हाइट हो या कलर्ड हर लुक में सुरभि चंदना लगती हैं जबरदस्त

नागिन फेम सुरभि चंदना आए दिन अपनी खूबसूरती से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर मदहोश हो जाते हैं। हालिया फोटोशूट में उनका ड्रेसिंग सेंस देखकर एक बार फिर से फैंस उनकी सिजलिंग अदाओं के कायल हो गए हैं।

अपने फैशन स्टेटमेंट्स और हॉटनेस से लोगों के बीच लाइमलाइट लूटने वाली एक्ट्रेस सुरभि चंदना किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग और लुक्स दोनों से ही लोगों को अपने हुस्न का दीवाना बनाया हुआ है। ये ही नहीं वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए जमकर तारीफ करते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। सुरभि चंदना ने अपनी लेटेस्ट फोटोज में ब्लैक कलर का कोट और पैंट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी शानदार लुक्स देती हुई दिखाई दे रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपनी हॉटनेस भरी अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर ढाती रहती हैं। बालों को कर्ली लुक में स्टाइल और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिए हैं। एथनिक हो या फिर वेस्टर्न सुरभि चंदना अपने हर लुक से बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस को आहें भरने पर मजबूर कर देता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

बालको की बाल विकास पहल से उज्जवल भविष्य को मिल रहा है आकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। हाल ही में देश ने बाल दिवस मनाया। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। देश के निर्माण में युवाओं की भूमिका को देखते हुए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पहल पर निरंतर कार्य कर रहा है। बचपन के शुरुआती वर्ष बच्चे के भविष्य की नींव होती है। बालको एक स्वस्थ, सुरक्षित और बेहतर भविष्य बनाने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय के बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

बेहतर पोषण बच्चे के सर्वांगीण स्वास्थ्य और कल्याण की आधारशिला है, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बालको अपने प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल के साथ समुदाय में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है। कंपनी अपने सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को कम करने के लिए स्तनपान और अन्य स्वस्थ प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देती है। टेक होम राशन (टीएचआर) के तहत सरकार के पूरक भोजन प्रावधान के साथ माताओं को पौष्टिक व्यंजनों पर प्रशिक्षित कर रही है। सत्रों में पोषण संबंधी जानकारी पर प्रश्नोत्तर सत्र और ऑडियो-विजुअल शोकेस भी शामिल हैं और इससे वित्त वर्ष 2023 में 270 से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। भदरापारा की सावित्री के लिए यह किसी 'चमत्कार' से कम नहीं था। वह अपने 19 महीने के बेटे श्रेष्ठ की कहानी साझा करते हुए कहती हैं कि श्रेष्ठ के पोषण के लिए महंगे पैकेज्ड सप्लीमेंट्स की ओर रुख करने से हमारे ऊपर आर्थिक दबाव पड़ रहा था। बालको प्रशिक्षण सत्र मेरे बच्चे के पोषण के लिए मददगार साबित हुआ। आज, श्रेष्ठ का वजन 9 किलोग्राम है, मैं घर ले जाने वाले राशन का उपयोग करके नियमित पोषण संबंधी व्यंजन बनाती हूं। किशोरावस्था बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण दौर होता है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन का समय होता है। इस प्रारंभिक अवधि के दौरान किशोर लड़कों और लड़कियों के बीच माहवारी के बारे में जागरूकता पैदा करके बालको युवाओं में स्वच्छ प्रथाओं की स्थापना कर रहा है। सामुदायिक विकास पहलों की मदद से कंपनी कम उम्र में लैंगिक संवेदनशीलता और समानता को बढ़ावा दे रहा है। माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रांतियों को दूर करते हुए स्वच्छता प्रथाओं को विकसित किया है। बालको ने अपने प्रोजेक्ट नई किरण के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में जागरूकता सत्रों के माध्यम से 48,000 से अधिक लोगों को जागरूक किया है। आजाद नगर की 16 वर्षीय हर्षिता कहती हैं कि माहवारी जीवन की एक सामान्य प्रक्रिया है और हम इसे आत्मविश्वास के साथ अपना रहे हैं। हम घर पर और साथियों के साथ इस पर खुलकर चर्चा करते हैं।

एक बच्चे की विकासात्मक यात्रा में स्कूली शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह आजीवन सीखने, मानसिक विकास और आवश्यक सामाजिक कौशल का निर्माण करता है। इस महत्व को पहचानते हुए बालको 58 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों को सहयोग दे रहा है। कंपनी बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड) पेंटिंग और डिजिटल लर्निंग सहित इंटरैक्टिव लर्निंग मॉडल के माध्यम से सर्वोत्तम श्रेणी के पाठ्यक्रम प्रदान करके पूर्व स्कूली शिक्षा में सुधार की दिशा में लगातार काम कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के सहयोग से अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल के तहत नंद घर एक अत्याधुनिक आंगनवाड़ी मॉडल प्रदान करता है, जो ई-लर्निंग से सुसज्जित है। समुदाय में बच्चों को पीने का पानी और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराया है।

नंद घर परियोजना की मदद से बालको वित्त वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 4000 से अधिक बच्चों की उपस्थिति, सीखने की क्षमता और स्कूल के लिए तैयार में मदद किया है। शिक्षा बाल विकास और सशक्तिकरण की नींव के रूप में खड़ी है, जो व्यक्तिगत नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ प्रगति और ज्ञान की दिशा में समाज को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। बालको की पहुंच स्वास्थ्य के साथ बेहतर शिक्षा के माध्यम से बच्चे के विकास की आधारशिला तक फैला हुआ है। उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बच्चों को मूलभूत ज्ञान और भविष्य की गतिविधियों से जोड़ता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

स्वयंसेवकों ने मतदाता मित्र के रूप में किया अतुलनीय कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बोईदा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय दिल्ली व क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के निर्देशक डॉ अशोक कुमार श्रोती,राज्य राष्ट्रीय सेवा योजनाअधिकारी डॉ.नीता बाजपेयी व अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा व जिला संगठक वाई के तिवारी के निर्देशन में तथा प्राचार्य लखन लाल बंजारे के संरक्षण मे,कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र कुमार नायक के मुख्य मार्गदर्शन व शासन प्रशासन के निर्देशन में बोईदा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने 17 नवंबर मतदान दिवस को विशेष निर्देशन व आदेश में मतदान केंद्र में आने वाले सभी मतदाता अंधे शिथलांगजन, दिव्यांगजन, वृद्ध जन, शारीरिक अक्षमता दर्शाने वाले उन सभी मतदाताओं को महिलाओं को शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्ति हेतु व उनको विशेष सुविधा प्रदान करने हेतु बोईदा इकाई के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं को मतदाता मित्र के रूप में आदेशित किया गया था जिनके द्वारा बहुत ही प्रशंसनीय व अतुलनीय सेवा देते हुए शारीरिक समस्तअक्षमता दर्शाने वाले सभी मतदाताओं को व्हीलचेयर हाथ को पडकर व सहयोग,सेवा प्रदान करते हुए मतदाताओं को मतदान कराया गया साथ ही शत् प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु लगातार व सतत् मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया जिसमें मुख्य रूप से भूमिका पटेल,तुलसी पटेल,चंदा पटेल, वीरेंद्र कुमार यादव,लकेश्वर कुमार श्रीवास,भूपेश पटेल,आर्यन श्याम,पायल राज,सरस्वती पटेल, तोशिका पटेल,साहिल नायक, नरेंद्र मरावी,दिव्या कंवर,निर्मला ओग्रे,सोना सरुता,महिमा कुर्रे, रजनी पटेल ने लगातार सेवा देते रहे जो की यह सेवा कार्य उत्कृष्टता को दर्शाता है ।

खास खबर

जिले में 4402 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा। जिले में भी समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू हुए 18 दिन हो चुके है। 65 केंद्रों में से अब तक सिर्फ20 केन्द्रों में ही धान खरीदी की बोहनी हो सकी है। 45 केंद्रों में अभी भी इंतजार है। वनांचल के क्षेत्र में धान कटाई अधिक हुई है। 41 सहकारी समितियों के 65 केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। इस बार किसानों की संख्या 50 हजार से भी अधिक है। पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक कोरबी केंद्र में महिला किसान लीलावती ने 50 क्विंटल धान बेचकर शुरुआत की। यहां अब तक 122 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। कटघोरा में अभी तक 274 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इसी तरह छुरी कला, पसान, नुनेरा, रामपुर, पोटापानी, सिरमीना में भी धान की खरीदी शुरू हो चुकी है। बरपाली क्षेत्र में धान की आवक अधिक होती है। लेकिन यहां अभी धान की कटाई चल रही है। अभी तक 20 केंद्रों में 4402 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। अभी उठाव शुरू नहीं हुआ है।

मैच देखने स्क्रीन लगाई पर बल्लेबाजी से निराश हुए दर्शक

जांजगीर। वर्ल्ड कप क्रिकेट के फाइनल का उत्साह जिले भर के क्रिकेट प्रेमियों में रहा। जिले के कई स्थानों पर अलग अलग व्यवस्था की गई थी। ग्राम बनारी में टीम इंडिया की जीत की कामना करते हुए हवन पूजन किया, प्रसाद बांटे गए। जिला मुख्यालय में बड़ी स्क्रीन पर भी लोगों ने क्रिकेट मैच देखा। टीम इंडिया के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से दर्शक मायूस तो हुए लेकिन जैसे ही बुमराह द्वारा फेंकी गई पारी की पहली बॉल पर कैच मिस हुआ तो भी निराश हुए और अपने पहले ही ओवर में मो.शमी ने वॉर्नर को आउट किया तो दर्शकों में फिर उत्साह आ गया। वर्ल्ड कप क्रिकेट के फाइनल प्रतियोगिता की फाइनल तक पहुंची प्रतियोगिता की अपराजित भारतीय टीम की बल्लेबाजी देखने के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सवा लाख से अधिक लोगों की भीड़ तो थी ही। देश भर में अपने स्तर पर उस मैच को देखने के लिए करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने व्यवस्था की थी। जांजगीर जिला मुख्यालय में मैट्रो टॉकीज में भी व्यवस्था थी। वहीं नैला के अग्रसेन भवन, नेताजी चौक? में भी प्रोजेक्टर लगाया गया था। सुबह से ही लोग ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाले इस मैच का बेसब्री से इंतजार था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बल्लेबाजी से दर्शक खुश थे, तब सबको 300 प्लस रन बोर्ड पर लगने की उम्मीद थी, लेकिन 10 ओवर में 80 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान के साथ ही शहर में भी सन्नाटा पसर गया। इसके बाद कोहली और राहुल के बीच हुई साझेदारी ने उम्मीद बढ़ाई, लेकिन अंतिम ओवर्स में कमजोर प्रदर्शन से दर्शक मायूस हुए। सूर्यकुमार यादव से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देखने की इच्छुक लोगों को भी निराशा हुई। गेंदबाजों के शुरुआती प्रदर्शन से खुश भी हुए बोर्ड पर कम स्कोर होने के बाद भी दर्शकों को भारतीय गेंदबाजों पर भरोसा था। टीवी में कमेंट्रेटर कम स्कोर को भी अच्छा बता रहे थे तो दर्शकों को भी उम्मीद बढ़ गई थी कि दूसरी पारी में भी पिच ऐसे ही बॉलर को हेल्प करेगी।

60 दिवसीय मंडलकाल पूजा महोत्सव का शुभारंभ किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा,। अंचल के सुभाष ब्लाक एसईसीएल क्षेत्र में स्थित श्री अय्यप्पा (शनिश्वर) मंदिर में श्री अय्यप्पा सेवा समिति द्वारा 60 दिवसीय मंडलकाल पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पूजा अल सुबह प्रभात फेरी के साथ हुई और दोपहर तक निर्माल्य दर्शन, गणपति हवन, उषा पूजा, भागवत पारायण, मध्यान्ह पूजा, नागपूजा समेत विविध अनुष्ठान मंदिर के पुजारी ने संपन्न कराए। इसमें मलयाली समाज के लोगों ने सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ लिया। इस पूजा में अन्य समाज के लोगों ने भी भाग लिया।

मंडलकाल पूजा के लिए श्री अय्प्पा मंदिर को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। मंदिर के पुजारी मोहनन नंबूदिरी ने पूजा-विधि संपन्न कराए। पूजा का विशेष आकर्षण शाम को होने वाली दीप आराधना (आरती), आतिशबाजी, भजन कीर्तन व पवित्र 18 सीढ़ी पूजा रही। पूजा के बीच समाज की महिलाओं ने मंदिर में भजन कीर्तन कर श्री अय्यप्पा स्वामी को याद किया। मंदिर के चारो तरफ दीप जलाए गए। शामिल आतिशबाजी के साथ पूजा मंडल पूजा का उत्साह समाज के लोगों ने मनाया। शाम 7.30 बजे शुरु हुई सीढ़ी पूजा देर रात तक चली। मंदिर के प्रमुख द्वार बनी पवित्र 18 सीढ़ी को मंडल पूजा विधान के दौरान विशेष रूप से सजाया गया था। सीढ़ों पर फूल बिखेरने के साथ ही ज्योत जलाए गए थे। मान्यता है कि इन सीढियों से होकर भगवान अय्यप्पा स्वामी का दर्शन करना सौभाग्य की बात होती है। यह सौभाग्य हर किसी को प्राप्त नहीं होता है। 60 दिवसीय पूजा के 41वें दिन यह लाभ मिलता है। श्री अय्यप्पा सेवा समिति के महासचिव सुब्रमणियम के अध्यक्ष के. राजेश ने बताया कि श्री अय्यप्पा स्वामी को चंदन का पेस्ट जिसमें, केशर, कपूर व गुलाब जल होता है प्रसाद के रूप में उपस्थित श्रद्धालुओं को दिया जाता है। मंडलकाल के दौरान संपूर्ण पूजा, भंडारा एवं पवित्र अठारह सीढ़ी पूजा का आयोजन जादूगर रमेश के सौजन्य से हुआ। समिति के पदाधिकारियों ने आगामी पूजा में मलयाली समाज के लोगों के साथ ही अन्य समाज के लोगों से शामिल होने का आह्वान किया है। पूजा मंडल पूजा का विधान 60 दिवसीय है, जिसका शुभारंभ शुक्रवार को विविध अनुष्ठान के साथ हुआ। मंडल विधान की दूसरी पूजा 12वें दिन श्री अय्यप्पा शनिश्वर मंदिर में 28 नवंबर को होगी। इस दिन भी पूजा की सभी रस्में निभाई जाएंगी, जो शुक्रवार को हुईं। इसी तरह 41वें दिन मंडल पूजा का तीसरा चरण होगा। इस पूजा में भी सर्व समाज के लोगों से शामिल होने का आह्वान किया है।

त्योहारी सीजन में रेलवे ने बढ़ाई यात्रियों की परेशानी, छत्तीसगढ़ से चलने वाली 30 ट्रेनें रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों के लिए एक बार फिर मुसिबत बढ़ गई है7 छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली 30 ट्रेनों को रेलवे विभाग ने रद्द किया है। इससे यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत चंदिया रोड स्टेशन में प्री एनआई और एनआई कमीशनिंग तहत तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का काम किया जाएगा। इस कारण कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द रहेगा।

रेलवे प्रशासन की ओर से अधोसंरचना विकास के कम को तत्काल पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत चंदिया रोड स्टेशन प्री एनआई और एनआई कमीशनिंग के तहत तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का काम 25 नवंबर से 04 दिसंबर तक किया जाएगा। इस काम के पूरा होने तक कई ट्रेनों को रद्द किया गया है। काम पूरा होते ही फिर से ट्रेनें रेल पटरी पर दौड़ेंगी। राजनांदगांव-कन्हान तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत कन्हान स्टेशन में आयोजित नॉन इंटरलॉकिंग काम को स्थगित किया गया है। इस काम के फ्लस्वरूप रद्द और पुनर्निर्धारित की गई सभी गाड़ियों का परिचालन अपने निर्धारित समय-सारणी अनुसार यथावत रहेगा ।

रद्द होने वाली ट्रेनें

25 नवंबर 2023 से 04 दिसंबर तक चिरमिरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

25 नवंबर 2023 से 04 दिसंबर तक चँदिया रोड से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08270 चंदिया रोड ङ्क चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

23 नवंबर से 04 दिसंबर तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

24 नवंबर से 05 दिसंबर तक इंदौर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18233 इंदौर- बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

22 नवंबर से 04 दिसंबर तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

24 नवंबर से 06 दिसंबर तक भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

25 नवंबर और 02 दिसंबर को उदयपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

26 नवंबर और 03 दिसंबर को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

29 नवंबर को सांतरागाछी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20828 सांतरागाछी -जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

30 नवंबर को जबलपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20827 जबलपुर- सांतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

25 नवंबर और 02 दिसंबर को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

28 नवंबर और 05 दिसंबर को भुज से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22829 भुज -शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

24 नवंबर से 04 दिसंबर को जबलपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11265 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

25 नवंबर से 05 दिसंबर को अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11266 अम्बिकापुर- जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

23 नवंबर से 04 दिसंबर तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

विज्ञान ने मानव को असीमित शक्तियां प्रदान की है, जीवन को बनाया सरल एवं सुखद - कुमार निशांत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ईंधन, सूचना, कंप्यूटर आदि ऐसे अनेक अनोखे साधन विज्ञान ने दिए हैं जिनसे जीवन सरल व संपन्न हो गया है। आज भोजन, आवास, यातायात, चिकित्सा, मनोरंजन, कृषि, उद्योग सभी विज्ञान से प्रभावित व विकसित हैं। विज्ञान की मदद से आज टीबी, कैंसर जैसे लाइलाज रोगों को दूर किया जा सकता हैं।

प्रकृति के क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहा जाता है। विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान या विद्या है जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलती है, जो किसी अध्ययन के विषय की प्रकृति या सिद्धान्तों को जानने के लिए किये जाते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अभिरूचि पैदा करने एवं अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने विद्यालय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। विज्ञान प्रदर्शनी एक ऐसा माध्यम है जिसमें बच्चे खुद से बनाए मॉडल य प्रतिरूप का प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिरूपों को बारिकी से समझकर उसका प्रयोग करते हैं। दीपका स्थित इंडस पब्लिक स्कूल में ऐसे ही एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं के बच्चों ने विज्ञान के विविध सिद्धांतों पर आधरित अनेक चलित मॉडलों को बनाकर प्रस्तुत किया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि अमित सक्सेना (सीजीएम सीसीएल दीपका) श्रीमती आभा सक्सैना(प्रेसिडेंट दीक्षा महिला मंडल दीपका),के साथ विशिष्ट अतिथि कुमार निशांत (डीएफओ कटघोरा), के साथ ही प्रहलाद मोदी (चार्टर्ड अकाउंटेंट)श्री कनक लश्करकर (विशेषज्ञ बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री) सपना मोदी (एजुकेशनिस्ट)एवं डॉक्टर संजय गुप्ता (प्राचार्य-आई0पी0एस0) के कर कमलों द्वारा रिबन काटकर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। गणमान्य अतिथियों के समक्ष बच्चों ने अपने हाथों से बनाए विज्ञान के चलित प्रतिरुपों का प्रस्तुतिकरण दिया। प्रतिरुपों में बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्टर,मोटरबोट,हाइड्रोलिक क्रेन,पावर प्लांट,ज्वालामुखी, स्मार्ट सिटी प्लान,वाटर हार्वेस्टिंग पिट, एक्सट्रैक्शन ऑफ फ्यूल फ्रॉम वेस्ट प्लास्टिक, प्रोटेक्शन फॉर एसिड रेन, वर्किंग स्मार्ट डायलिसिस मशीन, सर्कुलेटरी सिस्टम इन ह्यूमन, मॉडल ऑफ एटम, होमो डायलिसिस वर्किंग मॉडल, स्मार्ट सीवेज ट्रीटमेंट, इरिगेशन सिस्टम, वर्किंग मॉडल ऑफ ह्यूमन आई, रोबोटिक टेक्नोलॉजी, न्यूक्लियर पावर प्लांट,आदि उल्लेखनीय रहे।

बच्चों के प्रस्तुतिकरण को देखने के पश्चात विज्ञान विषय पर बच्चों का दिशा निर्देशन करते हुए 'अमित सक्सेना (सीजीएम सीसीएल दीपका) ने कहा कि विज्ञान हमारे ज्ञान का आधार है। हर सीखी हुई बात को प्रायोगिकता की कसौटी पर कसाकर लोगों को बताना ही विज्ञान है। विज्ञान एवं ज्ञान के आधार पर ही जीवन में हर्ष एवं आनंद संभव है।

कलेक्टर ने कर्मचारियों को सराहा, कहा- सभी के सहयोग से बिना बाधा हुआ चुनाव

जशपुरनगर। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव में शांतिपूर्ण व बिना बाधा के मतदान कराने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों सहित जिले के नागरिकों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदान कराने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। उन्होंने पूरी प्रतिबद्धता के साथ मतदान सुचारू ढंग से संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया। वहीं, सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की। बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

ग्रिल का आधा हिस्सा तोड़कर बर्तन, पंखे, कम्प्यूटर और फर्नीचर की चोरी

कांकेर (ए)। शहर से सटे ग्राम गोविंदपुर में रात होते ही खेल मैदान में असामाजिक तत्वों का डेरा बन जाता है। मैदान में शराबखोरी हो रही है। इसके साथ ही बंद पड़े स्कूल भवन से चोरी की घटनाएं भी सामने आई है। लोगों की शिकायत है कि गांव में पुलिस का गश्त नहीं हो रहा है। इसके साथ ही स्टेडियम में बैठकर शराबखोरी करने के बाद कांच का बॉटल फोड़कर चले जाते हैं।

खेल मैदान के पास बने प्राथमिक स्कूल बंद हो चुका है और तीन वर्ष से तालाबंदी है। जहां पर एक कमरे में काफी सारा सामान रखा हुआ था। जिसमे खिड़की का ग्रिल का आधा हिस्सा तोड़कर बर्तन, पंखे, कम्प्यूटर व फर्नीचर की चोरी हो चुकी है। स्कूल भवन से चार बार चोरी हो चुकी है। पुराना स्कूल भवन के पास आंगनबाड़ी बना है। जहां किचन गार्डन में बने सब्जी की भी चोरी की जा रही है। गांव में एक अंडा व्यवसायी के ठेला से अंडा के साथ सामान की चोरी हो गई। कुल पांच हजार का नुकसान हुआ।

गांव के लोगों की शिकायत है, कि पहले पुलिस की गश्त होती थी, लेकिन अब नहीं हो रही है। इससे असामाजिक तत्वों का हौसला बढ़ा है। गांव के मैदान के कुछ जरूरी जगहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग भी ग्रामीण कर रहे हैं, लेकिन पंचायत ध्यान नहीं दे रही है। गांव के ज्ञानु गौतम ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के गश्त की मांग प्रशासन से कर चुके हैं। ग्राम पंचायत गोविंदपुर के उपसरपंच डोमेंद्र ठाकुर ने कहा कि बंद पड़े स्कूल भवन से शिक्षा विभाग के सामान की चोरी हुई है। सीसीटीवी कैमरा स्कूल मैदान में लगाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए बजट नहीं है।

कांकेर थाना प्रभारी शरद दुबे ने कहा पुलिस का गश्त रात के दौरान हर जगह पर हो रहा है। यदि कही चोरी हो रही है, तो इसकी शिकायत पुलिस से करें। पुलिस कार्रवाई करेगी। कांकेर। असामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल की तोड़ी गई खिड़की।

शाही के शिकार के लिए किया गुफा में जहरीला धुआं, शिकारी की मौत

सूरजपुर (ए)। वन्य जीव शाही के शिकार के लिए गुफा में घुसे शिकारी की जहरीले धुएं से मौत हो गई। शिकारी ने शिकार करने के लिए खुद गुफा में जहरीला धुआं किया था। उसके शव को दो दिन बाद गुफा से निकाला गया। रमकोला थाना क्षेत्र के अलय कुमार, 17 नवंबर को रमकोला जंगल में शिकार के लिए गया था।

सुरंग नुमा गुफा नजर आने पर भीतर वन्य जीव शाही के होने की उम्मीद से उसे बाहर निकालने के लिए अंदर जहरीला धुंआ करने लगा, काफी देर बाद भी किसी जंतु के बाहर नहीं निकलने पर वह गुफा में घुसा, मगर बाहर नहीं निकल पाया। सूचना पर रविवार को जिला सेनानी संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में डीडीआरएफ, एसडीआरएफ की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत से नाइट विजन कैमरा, बीए सेट के सहित अन्य उपकरण की मदद से रेसक्यू कर बाहर निकाला गया।

चुनाव से पहले 4 हजार बदमाशों की हुई गिरफ्तारी

बिलासपुर में 3.66 करोड़ का माल जब्त, 2018 में 1.11 लाख का सामान जब्त हुआ था

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर जिले में आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस ने कई धाराओं में 4 हजार से अधिक बदमाशों की गिरफ्तारी की है। जबकि 3 करोड़ 66 लाख रुपए का माल जब्त किया है। इससे पहले साल 2018 के चुनाव में पुलिस ने महज 1 लाख 11 हजार 390 रुपए का सामान और 30 साड़ी जब्त किया था।

एसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की निजात अभियान और सख्ती का सीधा असर इस विधानसभा चुनाव में देखने को मिला है। यह पहला मौका था जब मतदान के दौरान कहीं भी कोई विवाद नहीं हुआ और न ही पुलिस को कोई शिकायत मिली। पुलिस का दावा है कि जिले में पहली बार बिना किसी आपराधिक प्रकरण दर्ज किए शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुआ।

करीब 1 किलो सोना और एक करोड़ 40 लाख नगद जब्त

इस बार विधानसभा चुनाव में आचार संहिता के लागू होने के बाद से 25 मामलों में एक करोड़ 40 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। इसके अलावा 19 हजार 933 लीटर अवैध शराब, 76 किलो गांजा, 911 ग्राम सोना, 25.7 किलो चांदी, साड़ी, पंपलेट और अन्य चुनाव सामग्री जब्त की गई।

पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की

बीते साल 2022 में 3 हजार 912 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी। साल 2023 में 20 हजार 921 लोगों प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। आचार संहिता के दौरान दो हजार 818 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। एक हजार 158 फरार वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

इनमें से कई वारंटी ऐसे भी थे जिन्हें पुलिस ने प्रदेश भर से गिरफ्तार किया। एसपी संतोष कुमार सिंह ने जिले के 31 बदमाशों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर के पास भेजा। साथ ही रासुका की भी कार्रवाई की गई।

घर पर छिपा रखा था 35 किलो गांजा, पुलिस रेड में पकड़ाया तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले की पत्थलगांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 35 किलो गांजा समेत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अपने निर्माणाधीन मकान में गांजा छिपाकर रखा था फ्लिहाल पत्थलगांव पुलिस मामले में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।

दरअसल यह मामला पत्थलगांव थानाक्षेत्र के ग्राम बटुराकछार का है जहां आरोपी शिवधर यादव अपने नवनिर्मित घर में 35 किलो मादक पदार्थ गांजा रखे हुए था जिसकी सूचना मुखबिर के द्वारा पुलिस को मिली। सूचना के बाद टीम बनाकर पत्थलगांव पुलिस ने आरोपी के घर दबिश देकर आरोपी को 35 किलो गांजा समेत गिरफ्तार कर लिया। जब्त गांजे की कीमत लगभग पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

आपको बता दें कि उक्त आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज किया गया है, फिलहाल पत्थलगांव पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ 20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उसके अन्य मामलों की जांच कर रही है।

साइड नहीं देने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

बलौदाबाजार में रास्ता रोककर की थी मारपीट, पैसे भी लूटे, 2 गिरफ्तार

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार जिले के पलारी थाना क्षेत्र में रास्ता रोककर युवक बिसाहू राम ध्रुव की हत्या कर पैसे लूटने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना 14 नवंबर की है।

थाना प्रभारी शशांक सिंह ने बताया कि बिसाहू राम ध्रुव, परशुराम ध्रुव और संतुराम साहू एक बाइक पर सवार होकर भवानीपुर जा रहे थे। तभी ग्राम वटगन में बाइक पर सवार दो युवक बिरेन्द्र उर्फ बिरू डहरिया और मुकेश रात्रे ने साइड नहीं देने के नाम पर गाली-गलौज करने लगे। संतुराम साहू के ऊपर जेब में रखे 700 रुपए निकाल लिया। जिसका

विरोध करने पर दोनों युवक धक्का-मुक्की कर मारपीट करने लगे। बिसाहू राम ध्रुव को सड़क पर फटक कर पेट में जोर-जोर से मारने लगे, जिससे वो अधमरा हो गया। नाक और मुंह से खून भी निकलने लगा।

आरोपियों ने संतुराम को भी जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में संतुराम के कमर और आंख के पास गंभीर चोट आई। परशुराम ध्रुव अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला। गंभीर रूप से घायल बिसाहू राम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दोनों आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

घटना की शिकायत पर पलारी पुलिस ने दोनों के खिलाफ अपराध कर आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। अब आरोपी बिरेन्द्र उर्फ बिरू डहरिया और मुकेश रात्रे को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

घर के अंदर निकला आठ फीट लंबा अजगर, डर से सिहर उठे लोग, स्नेक कैचर ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के सीतामढ़ी में एक बोरा व्यापारी के घर में अजगर निकलने से हड़कंप मच गया। लोगों की नजर बोरे के ऊपर बैठ आठ फीट के अजगर पर पड़ी तो उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। घरवालों ने वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम को दी गई। मौके पर पहुंचकर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी ने सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन चालू किया। अजगर गुस्से से लगातार जितेंद्र सारथी को काटने का प्रयास करता रहा। जितेंद्र सारथी उसे पकड़ने का प्रयास करते रहे। आखिरकार सारथी ने अजगर को बोरे में डालने में कामयाब हुए। इसके बाद घरवालों ने राहत भरी सांस ली और रेस्क्यू टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। फिर अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया। स्नेक कैचर ने बताया कि अजगर काफी गुस्से में था और इस घटना के बाद हड़कंप मच गया था। समय रहते अगर मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू नहीं करते तो कोई बड़ी घटना घट सकती थी। जितेंद्र सारथी ने बताया इस ठंड के मौसम में सांप अक्सर धूप सेकते नजर आते हैं। ठंडा खून होने के कारण वो ऐसा करते हैं।

सार्वजनिक जगहों से डस्टबिन चोरी, दोबारा लगाने के बाद फिर हुए चोरी

कांकेर (ए)। जिले के दो बड़े शहर कांकेर व भानुप्रतापपुर शहर के सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डालने नगर पालिका तथा नगर पंचायत ने डस्टबिन लगवाए थे। डस्टबिन रखने के कुछ दिनों बाद ही चोरी हो गए तो नगर पालिका ने दोबारा उक्त स्थानों में डस्टबिन रखवाए। सुरक्षा के कोई प्रबंध नहीं होने से नगर पालिका द्वारा रखवाए गए डस्टबीन दोबारा चोरी हो गए।

कांकेर शहर के 40 सार्वजनिक स्थानों में नगरपालिका ने लोहे के एंगल लगवाकर डस्टबिन रखवाए थे। डस्टबीन रखवाने का उद्देश्य था लोग अपने घरों से निकलने वाला कचरा इनमें डाले ताकि शहर साफ सुथरा रहे। कुछ ही दिनों बाद डस्टबिन चोरी होने की शिकायतें मिलने लगी। इसके बावजूद इनकी सुरक्षा के कोई प्रबंध नहीं किए गए। लगभग 40 में से आधे डस्टबीन चोरी हो गए।

भतीजे ने चाचा की हत्या कर जंगल में छिपाई लाश

जशपुरनगर (ए)। कांसाबेल थाना क्षेत्र के ग्राम बटइकेला में मामूली विवाद में भतीजे ने चाचा की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। वारदात के बाद साक्ष्य छिपाने उसके शव को जंगल में में गड्ढा खोदकर दफ्ना दिया। जमीन में दफनाए शव का हाथ दिखने पर हत्या की पोल खुल गई। घटना बीते 14 नवंबर की शाम की है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

कांसाबेल थाना प्रभारी मल्लिका बनर्जी ने बताया कि सारूराम(69) ग्राम घोघर जनकपुर के रहने वाले थे। वे 10 दिन पहले ग्राम बटईकेला अपने रिश्तेदार मंगल राम बिरहोर के घर आए थे। सारूराम झाड़-फूंक करते थे। बटईकेला में एक व्यक्ति के पैर में दर्द होने पर झांड़ फूंक करने आया था। वह रिश्तेदार के घर रह रहा था। घटना के दिन

किसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। झगड़ा इतना बढ़ा कि मंगलराम बिरहोर बटईकेला बरमुडाटोंगरी ने गुस्से में आकर अपने चाचा सारुराम की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को घसीटते हुए घर से 100 मीटर दूर जंगल में ले जाकर जमीन में गड्ढा खोदकर दफना दिया।

आरोपी की बेटी ने ही खोला हत्या का राज

सारूराम की कोई जानकारी नहीं मिलने पर र परिजन आरोपी के घर पहुंचे। इस दौरान आरोपी ने सारूराम के घर में नहीं आने की बात कही। जबकि एक दिन पहले ही 14 नवंबर की शाम को मृतक आरोपी के घर में ही था। इस दौरान आरोपी की बेटी ने रोते हुए बताया कि दादा(सारूराम) को मार दिया है। शव के बारे में बच्ची नहीं बता पाई। ग्रामीणों को शक होने पर आसपास खोजबीन शुरू की। इस दौरान आरोपी के घर से 100 मीटर दूर जंगल में झाड़ी के नीचे जमीन के उपर मृतक का हाथ दिख रहा था।

शराब दुकान के कर्मचारियों पर जानलेवा हमला, तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। नगर में असामाजिक तत्वों का आतंक कितना बढ़ चूका है इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है की नगर मे आये दिन किसी न किसी बात को लेकर चाकूबाजी मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ गयी हैं। कहीं न कहीं इन सब अपराध का मुख्य वजह नशा है, नशा चाहे प्रतिबंधित दवाई का हो या गांजा या शराब का नवयुवा इस नशे की गिरफ्त में फंसे हुए हैं। विभिन्न अपराधों को अंजाम दे रहें है।

चिल्हर पैसे को लेकर शराब दुकान कर्मचारी और दो लड़कों के बिच मामूली विवाद हुआ था जिस पर रंजिश रखते हुए देख लेने की धमकी देकर चला गया था और रात्रि मे दाऊपारा शराब दुकान के सभी कर्मचारी रात्रि मे दुकान बंद कर घर वापस जा रहे थे तभी

सतनाम भवन के पास 10 से 15 की संख्या में लाठी, डंडे, ईंट, पत्थरों और हथियारों से लेश होकर मोके के इंतजार मे घात लगाकर छुपे हुए थे तभी अचानक से इन लोगों पर हमला कर दिया। जिससे तीन शराब दुकान के कर्मचारियों के सिर में गंभीर चोट आई है, तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलों में दीपक सिंह परिहार, मेशराम खुटे, सीतेश कुर्रे, व रोम हर्षण धीरही जिसमे तीन लोगों को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए सिम्स रेफर किया गया है। शराब दुकान कर्मियों पर प्राणघात हमला करने वालों की पहचान दाऊपारा चौक के आसपास रहने वाले हैं जो लडके असमाजिक कार्य में लिप्त हैं और नशेड़ियों का गैंग है जिनकी पहचान कर ली गई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जलाराम जयंती पर रक्तदान शिविर, 40 युनिट ब्लड किया गया एकत्रित

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा, सीएमएचओ डॉक्टर जेपी मेश्राम, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर ए. के. साहू के निर्देशानुशार जिला चिकित्सालय दुर्ग में भर्ती क्रिटिकल पेशेंट, सिकलिन, थैलीसीमिया, डिलीवरी, डेंगू से पीड़ित जैसे मरीजों के लिए आपात स्थिति को देखते हुए रक्त की उपलब्धता बनाए रखने दुर्ग जिला रक्त केन्द्र के द्वारा श्री जलाराम जयंती के अवसर पर जिला दुर्ग के द्वारा 19 नवंबर 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 40 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। दुर्ग जिला रक्त केंद्र के नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार अग्रवाल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन एवं डॉ निकिता श्रीवास्तव, काउंसलर एंथोनी, स्टॉफनर्स श्रीमती सती गुप्ता, श्रीमती तरुणा रावत लैब सुपरवाइजर रूपेश सर्पे, लैब टेक्नीशियन तरन्नुम जहां, निगार परवीन, चतुर्थ श्रेणी श्री कौशल साहू, ब्लड बैंक डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रियांशा देवांगन, नवदृष्टि फ्राउंडेशन के राज अड़तीया आदि के विशेष सहयोग से कैंप का सफ्ल सम्पादन किया गया।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए जल्द होगी स्क्रुटनी

भिलाई। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती होगी। इसके लिए पिछले दिनों आवेदन मंगाए गए थे। इसी तरह प्रयोगशाला तकनीशियन, प्रक्षेत्र विस्तार अधिकार समेत की भर्ती के लिए भी आवेदन की प्रक्रिया खत्म हो गई है। अब आवेदनों की स्क्रूटनी जल्द शुरू होगी। इसे लेकर विश्वविद्यालय से तैयारी की जा रही है। असिस्टेंट प्रोफेसर के 24 और अन्य 10 यानी कुल 34 पदों के लिए तीन सौ से अधिक फार्म आए हैं। वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों विश्वविद्यालय से मर्रा-पाटन, साजा और नारायणपुर कृषि कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 32 पदों के लिए भी आवेदन मंगाए गए थे। करीब 700 आवेदन मिले हैं। इसकी स्क्रूटनी शुरू हो गई है। जल्द ही पात्र व अपात्र उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होगी।

बीसीए प्रथम में 176, द्वितीय में 139 और अंतिम में 103 परीक्षार्थी उत्तीर्ण

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने पूरक परीक्षा के साथ-साथ उसके नतीजे भी जारी कर रहा है। हालांकि अभी त्योहार और विधानसभा चुनाव की वजह से 19 नवंबर तक परीक्षा स्थगित है, लेकिन 4 नवंबर तक हो चुके पर्चों का केंद्रीय मूल्यांकन चल रहा है। साथ ही नतीजे भी घोषित किए जा रहे हैं। इस कड़ी में गुरुवार को बीसीए प्रथम, द्वितीय और तृतीय के नतीजे जारी किए गए। बीसीए प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा में शामिल 226 परीक्षार्थियों में से 176 उत्तीर्ण घोषित हुए। नतीजा 78 फीसदी रहा। इसी तरह बीसीए द्वितीय वर्ष में शामिल 173 परीक्षार्थियों में से 139 उत्तीर्ण हुए।

दिसंबर में सेमेस्टर परीक्षा, डीयू में 24,200 से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन आए

भिलाई। एमए, एमकॉम और एमएससी समेत अन्य सभी सेमेस्टर प्रणाली वाली कक्षाओं के अगले सेमेस्टर की परीक्षाएं दिसंबर के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। उसके लिए 18 नवंबर तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन लिए गए। आखिरी दिन करीब 600 परीक्षार्थियों ने आवेदन किए। इस तरह लगभग 24,200 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है।

छठ महापर्व पर उमड़ा आस्था का सैलाब, ट्विनसिटी के तालाबों में हुई छठी मैय्या की आराधना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोक आस्था का पर्व छठ महापर्व की छटा ट्विनसिटी में भी बिखरी। रविवार की शाम को शहर के सभी प्रमुख तालाब के किनारे छठ घाट पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने तालाब में खड़े होकर डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। सोमवार सुबह उगते सूर्य को फ्रि से अर्घ्य दिया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का अनुष्ठान संपन्न हुआ। शुक्रवार या कि को नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत हुई थी।

छठ पूजा के लिए ट्विनसिटी के सभी प्रमुख तालाबों की सफाई की गई। साथ ही विभिन्न समितियों द्वारा घाटों को सजाया गया है। घाट के आसपास मेले जैसा माहौल देखने को मिला। रविवार की शाम को चार बजे से ही लोगों का छठ घाटों पर पहुंचने के सिलसिला शुरू हो गया। व्रतियों ने घाट पर पहुंचकर वेदी पर छठ मैय्या की पूजा की। इसके बाद तालाब में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। शाम को सूर्यास्त के बाद लोग छठ घाट से वापस लौटे। इसके बाद दूसरे दिन सोमवार भोर में ही व्रती महिलाएं उनके परिवार के साथ तालाबों में पहुंची और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का परायण किया।

तालाबों में गूंजे छठ गीत

होई न नारियल-कैरवा घोउदवा नदिया किनार, सुनिहा अरज छठी मईया, बढ़े कुल परिवार, लोक गीतों के साथ अस्त होते सूर्य देव को अर्घ्य देने इकट्ठे हुए लोग घाटों पर पूजा के समय छठ के पारंपरिक गीतों को गाते रहे। पूजा के बाद घरों में गन्ने से मंडप सजाकर कोसी भरी गई। जिन व्रतियों के घरों में कोई शादी या संतान होने की खुशी या कोई अन्य शुभ कार्य हुआ है, उनके घरों में रात को महिलाओं द्वारा गन्ने का मंडप सजाकर पंचदीप जलाकर कोसी भरी गई। छठ गीत गाकर रात जागरण भी किया गया।

दुल्हन की तरह सजे तालाब

छठ पर्व के लिए ट्विनसिटी के प्रमुख तालाबों दुल्हन की तरह सजाया गया था। भेलवा तालाब कोहका, शीतला तालाब सुपेला, रामनगर केंप-1, हिन्द नगर रिसाली, वार्ड-44 मरोदा शीतला तालाब, घासीदास नगर तालाब, सूर्य कुंड तालाब हाउसिंग बोर्ड, दर्री तालाब कुरूद, आमदी नगर हुडको, सेक्टर-2, सेक्टर-07, खुर्सीपार, दरी तालाब छावनी, बापू नगर, लक्ष्मण नगर, शीतला तालाब सुपेला और रामनगर तालाब, नेहरू नगर भेलवा तालाब, दुर्ग- दीपक नगर तालाब, शक्तिनगर, ठगडा बांध, शिवनाथ नदी तट, कातुलबोर्ड तालाब आदि को दुल्हन की तरह सजाया गया था।

जनप्रतिनिधि पहुंचे, लोगों को दी पर्व की बधाई

छठ पर्व पर जनप्रतिनिधियों व विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने घाट में पहुंचकर लोगों को सूर्य अराधना पर्व की बधाई दी। सांसद विजय बघेल, दुर्ग शहर विधायक अरुण वोरा, भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्वमंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, भिलाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर सहित अन्य लोग पर्व में शामिल हुए। छठ पर्व की बधाई देते हुए मुकेश चंद्राकर ने कहा कि प्रकृति के देवता सूर्य हम सभी को एक आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि बिना सूर्य के दुनिया में कुछ दृष्टिगोचर नहीं होता। छठ पर्व से समाजिक समरसता का भी उदाहरण प्रस्तुत होता है। बृजमोहन सिंह, प्रवक्ता राजेश, केशव चौबे, पार्षद उषा शर्मा, संजीत चक्रवर्ती, फारूक, अशोक गुप्ता, दुर्गेश ताम्रकार, वासु पाण्डे, मो हबिब, सहित कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इसी प्रकार पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने सेक्टर 2 तालाब पहुंचकर श्रद्धालुओं को बधाई दी। श्री पांडेय ने कहा कि छठी मैय्या आप सभी की मनोकामनाएं पूरी करे। इस दौरान श्री राम जन्म युवा उत्सव समिति भिलाई के युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

छठ पूजा का इतिहास

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूजा की शुरुआत महाभारत काल से मानी जाती है। दौपदी और पांडवों ने छठ पूजा का व्रत रखा था। उन्होंने अपने राज्य को वापस पाने के लिए यह व्रत रखा था। जब पांडव सारा राजपाठ जुए में हार गए, तब द्रौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को सब कुछ वापस मिल गया, इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की पूजा फ्लदायी माना जाता है। इसके अलावा यदि नि: संतान महिलाएं यह पूजा करती हैं, तो उन्हें संतान की प्राप्ति होती है। इस बात बात का प्रमाण है कि छठ पूजा की शुरुआत बिहार के मुंगेर जिले से हुई थी।

चन्द्रामौर्या चौक तक सर्विस रोड पर नहीं चलेंगी भारी वाहन व बसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चन्द्रामौर्या ओवर ब्रिज के नीचे रायपुर से दुर्ग से होटल अमित इंटरनेशनल से चन्द्रामौर्या चौक तक सर्विस रोड में डामरीकरण एवं चौडीकरण का कार्य प्रारंभ किया जायेगा। इस दौरान इस मार्ग पर भारी वाहन एवं बसो का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। निर्माण एजेन्सी के द्वारा इस कार्य को पूर्ण करने में 01 सप्ताह का समय लगना बताया गया है। सोमवार की रात से निर्माण कार्य शुरू होगा और इस दौरान यह प्रतिबंध भी लागू हो जाएगा। रायपुर से दुर्ग जाने वाले वाहन चालक ओवर ब्रिज का प्रयोग करे एवं सेक्टर की ओर जाने के लिये पावर हाउस अण्डर ब्रिज मार्ग का प्रयोग करे इसी प्रकार सेक्टर की ओर से हाईवे में आने के लिए पावर हाउस अण्डर ब्रिज एवं चन्द्रामौर्या अण्डर ब्रिज मार्ग का प्रयोग करें दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालक को होटल अमित के सामने मार्ग का प्रयोग कर चन्द्रामौर्या टाकिज के सामने की ओर डायवर्ट किया जाएगा। निर्माण कार्य के दौरान उप पुलिस अधीक्षकद्वारा निर्माण कंपनी को सेफ्टी उपकरणों का प्रयोग करने वाहन डायवर्ट करने के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात करने रात्रि के समय उचित प्रकाश व्यवस्था रखने हेतु निर्देश दिये गये साथ ही आम नागरिको से अपील है कि सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं।

अभियान के तहत 3 दिनों में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनों की हुई जांच

अग्नि दुर्घटना से यात्रियों को बचाने चलाया जा रहा विशेष जांच अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय रेलवे के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ियों में विशेष अग्नि सुरक्षा अभियान चलाई जा रही है । इस अभियान के तहत वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा गाड़ियों के पैंट्रीकारों सहित यात्री डिब्बों में ले जाए जा रहे किसी भी प्रकार के विस्फोटक और एलपीजी सिलेंडर, केरोसिन स्टोव आदि ज्वलनशील सामानों की जाँचकर व त्वरित कार्रवाई की जा रही है ।

संरक्षा एवं यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रेनों में आग लगने की घटनाएं मानव जीवन एवं रेल सम्पदा के लिए सबसे गम्भीर आपदाओं में से एक है इसलिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना तथा जागरूकता अभियान चलाकर आगजनी घटनाओं के जोखिम को कम करना है।

यात्री गाडियों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील/विस्फोटक (गैस सिलेंडर कैरोसीन, पेट्रोल,डीजल,पटाका) सामान इत्यादि लेकर यात्रा न करे इससे बडी दुर्घटना घटित हो सकती है। साथ ही ऐसी गलती से लोगों की जान माल की नुकसान भी हो सकती है । रेल यात्रा के दौरान अपने साथ स्टेशन, प्लेटफार्म अथवा यात्री गाडियों में ज्वलनशील/विस्फोटक सामानों को लेकर जाना धारा 164 रेल अधि. के तहत दण्डनीय अपराध है ऐसे करते पकड़े जाने पर तीन साल तक का करावास एवं जुर्माना का प्रावधान है। स्टेशन परिसर के चारों ओर सीसीटीवी केमरों के माध्यम से निगरानी भी रखी जा रही है । इसके साथ ही गाड़ियों में धूम्रपान पर रोक, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता तथा वैधता भी जांची जा रही है । गाड़ियों में यात्रियों को अग्निशमन यंत्रो, आपातकालीन खिड़की के प्रयोग सबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है ।

पिछले 3 दिनों में मुख्यालय एवं तीनों रेल मंडलो के वाणिज्य विभाग के अधिकारियों द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनों की सघन जांच की गई । जांच के दौरान यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा करते समय अग्नि सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान भी की जा रही है तथा यात्रियों को यात्रा के दौरान ज्वलनशील व विष्फोटक सामानों के साथ यात्रा नहीं करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है । इसके अलावा उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी प्रतिबंधित सामानों को ट्रेन में नहीं ले जाने के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनसे आग्रह किया जा रहा है ।

इसके साथ ही सभी टिकट चेकिंग कर्मचारियों को ड्यूटि के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता व गाड़ियों में प्रतिबंधित सामानों की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया है ।

इस जागरूकता एवं सघन चेकिंग अभियान के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 16 नवंबर तक कुल 74 मामलों में आरोपीयों पर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई । जिसमें यात्री गाडियों में यात्रियों द्वारा कैरोसीन, पेट्रोल, डीजल तथा पटाखें लेकर यात्रा करने के साथ ही पेंट्रीकार की चेकिंग के दौरान गैस सिलेंडर पाए जाने के मामले शामिल है।

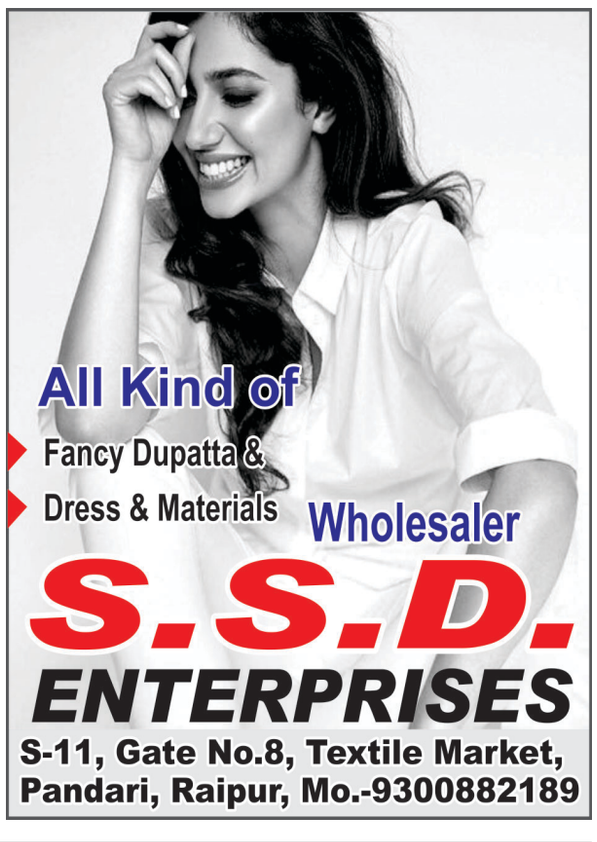

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950